वर्ष-14 - अंक 136
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
मंगलवार ,25 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

डीएम साहब जरा एक नज़र इधर भी.... 3

क्यों नहीं पढ़ रहे हैं? रुचि नहीं या हालात ने रोक दी राह..... 4

खाना पसंद नहीं आया, नाबालिगों ने ढाबा कर्मचारी पर चाकू से किया हमला.... 08

डबल इंजन सरकार से रायबरेली को मिली नई विकास और प्रगति की पहचान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रायबरेली में कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला. उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने पहले तो देश-समाज को बांटा, संविधान का गला घोंटा और अब तुष्टिकरण की नीति पर चलकर सामाजिक एकता को खंडित करना चाहते हैं. उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में विरासत और विकास के अभियान को बढ़ाना चाहिए.मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज मैदान में रक्षाबंधन से पहले रायबरेली, बछरावां और हरचंदपुर विधानसभा क्षेत्र को 879 करोड़ रुपये की 346 विकास परियोजनाओं की सौगात दी. सीएम ने कहा कि रसोइयों से रक्षाबंधन की शुरुआत की है, 26 को माताओं के लिए नई योजना घोषित करेंगे.

राहुल गांधी पर बरसे सीएम योगी आदित्यनाथ

वीआईपी संसदीय क्षेत्र के नाम वाले रायबरेली में थी बदहाली

सीएम ने कहा कि रायबरेली अब बदल चुका है. पहले लोग इसे वीआईपी जनपद व संसदीय क्षेत्र कहते थे, लेकिन वीआईपी के नाम पर यहां बदहाली, अराजकता, अभाव था और गरीबों को शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिलता था. पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी ने पीड़ा व्यक्त की थी कि एक रुपये भेजता हूं, नीचे सिर्फ 15 पैसे पहुंचता है.

पिछले वर्ष मॉडर्न कोच फैक्ट्री ने रिकॉर्ड २१५६ कोच का किया निर्माण

सीएम ने कहा कि विकास नौजवान की आकांक्षा, किसान के चेहरे पर खुशहाली, कारीगरों व हस्तशिल्पियों को सम्मान, बुजुर्गों के वृद्धावस्था का सहारा बनेगा. रायबरेली ने हमारे विधायकों को जिताया तो विकास तेज गति से हो रहा है. यहां की मॉडर्न कोच फैक्ट्री 2012 में बनी, यह 2014 तक कांग्रेस के विकास की तरह घिसती जा रही थी लेकिन अब यह फैक्ट्री रायबरेली की पहचान बन चुकी है. उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इस फैक्ट्री ने रिकॉर्ड 2156 कोच का निर्माण किया. पहली बार मई 2026 में वंदे भारत के ट्रेनशेड का रोल आउट यहीं बना है. रायबरेली का नाम अब देश में गौरव के साथ लिया जा रहा है.

मनुस्मृति को मानिए या न मानिए, लेकिन गलत तथ्य न कहिए

सीएम ने कहा कि मनुस्मृति को मानिए या न मानिए, लेकिन गलत तथ्यों को न कहिए. हर सनातनी जिस कालगणना को मानता है, उसे मनु ने ही दिया है. सीएम ने बताया कि पलक झपकने को निमेष कहते हैं, 25 निमेष का एक काष्ठा, 30 काष्ठा का एक कला, 30 कला का एक मुहूर्त, 30 मुहूर्त का एक अहोरात्र (पूरा दिन-रात), 15 अहोरात्र का एक पक्ष, दो पक्ष (कृष्ण-शुक्ल) का एक माह, छह माह का एक अयन, दो अयन का एक वर्ष होता है. उन्होंने कहा कि भगवान सूर्य जब उत्तरायण में आते हैं तो मकर संक्रांति आती है और प्रयागराज में माघ मेला लगता है. भीष्म पितामह शरशैया पर वेदना झेलते रहे, लेकिन उत्तरायण आने पर ही उन्होंने प्राण त्यागे. 43 लाख 32 हजार वर्ष का एक महायुग, 31 महायुग का एक मन्वंतर, 14 मन्वंतर को एक कल्प के रूप में माना है. इसका पालन करके ही सनातनी त्योहारों को मानता है.

वीरा पासी का बनेगा भव्य स्मारक व प्रतिमा

सीएम ने कहा कि अब प्रदेश में 16 करोड़ लोगों को नि:शुल्क राशन मिल रहा है. 10 करोड़ लोगों को पांच लाख की स्वास्थ्य बीमा का कवर प्राप्त है. अब रायबरेली समेत प्रदेश के सभी जनपदों के बेटे-बेटी को नौकरी मिलती है. हमने राणा बेनी माधव बख्श सिंह के नाम पर स्मारक बनाया है तो पूर्व विधायक स्व. दल बहादुर कोरी के नाम पर राजकीय पॉलीटेक्निक का नामकरण कर सलोन में उन्हें सम्मानित किया है. अब वीरा पासी का भव्य स्मारक व प्रतिमा लगेगी. इस अवसर पर खादी व ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान, खाद्य व रसद मंत्री मनोज पांडेय, उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, विधायक अदिति सिंह, अशोक कोरी, विधान परिषद सदस्य उमेश द्विवेदी, अवनीश सिंह, जिला पंचायत प्रशासक रंजना चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी, अपना दल जिलाध्यक्ष सत्येंद्र पटेल, पूर्व विधायक राकेश सिंह, रामलाल अकेला, राजाराम त्यागी, धीरेंद्र बहादुर सिंह, पूर्व एमएलसी राकेश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे.

2029 में आरक्षण नहीं देना चाहते, 2034 तक टालने की मंशा

फडणवीस का कांग्रेस-MVA पर बड़ा हमला

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी के लोग महिला आरक्षण के खिलाफ हैं. वे 2029 तक महिलाओं को आरक्षण नहीं देना चाहते, बल्कि 2034 तक आरक्षण देना चाहते हैं. फडणवीस ने महिला आरक्षण पर कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी के दोहरे रवैये पर हमला बोला. फणडवीस ने कहा कि कांग्रेस और महा विकास अघाड़ी के नेता लगातार लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं. 2023 में चिदंबरम समेत सभी ने महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में मतदान किया था. उस विधेयक में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि परिसीमन करना होगा और यह विधेयक परिसीमन के लिए नई जनगणना के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद ही लागू होगा. फडणवीस ने कहा कि चिदंबरम समेत सभी ने इसे स्वीकार किया था. कोविड महामारी के कारण जनगणना में देरी हुई. मोदी 2029 तक महिलाओं को आरक्षण देना चाहते थे. इसलिए एक छोटा सा संशोधन लाया गया. संवैधानिक संशोधन के बजाय, एक ऐसा संशोधन लाया गया जिसमें पुरानी जनगणना की तरह कुछ छूट दी जा सकती थी. सभी ने इसे अस्वीकार कर दिया. देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वे महिलाओं को आरक्षण नहीं देना चाहते.

कांग्रेस और MVA पर बरसे फडणवीस

2023 में उन्होंने महिला आरक्षण का समर्थन किया था, क्योंकि वे जानते थे कि अगर वे समर्थन न भी करें तो भी विधेयक पारित हो जाएगा. इसलिए उन्होंने समर्थन किया. अब जब वास्तविक आरक्षण देने का समय आया, तो उन्होंने इसका विरोध किया. परिसीमन का निर्णय 2023 में ही लिया गया था. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मतदान करके इसे मंजूरी दी. यह निर्णय आज सुनाया गया. हमारे राज्य के लोग इस बारे में बात कर रहे हैं, पता नहीं उन्होंने कौन सा नशा कर लिया है. उन्हीं की वजह से परिसीमन संविधान में आया है. वे इसी कारण इसका विरोध कर रहे हैं. कांग्रेस पार्टी और अन्य लोग 2029 में महिलाओं को आरक्षण नहीं देना चाहते क्योंकि यह 2034 तक खत्म हो जाएगा. वे इस मुद्दे को 2034 तक खींचना चाहते हैं. ये लोग लोगों के दिमाग को बांट रहे हैं. जब चिदंबरम ने ट्वीट किया, तो मैंने उन्हें तथ्यों के साथ जवाब दिया.

मराठी भाषा सीखने पर कही ये बात

उन्होंने कहा कि रिक्शा चालकों को मराठी भाषा में पारंगत होने की कोई इच्छा नहीं है. वे केवल अस्थायी तौर पर मराठी बोलना सीखना चाहते हैं. उन पर किसी प्रकार का कोई दबाव नहीं है. उन्हें सिखाने के प्रयास किए जा रहे हैं. उन्होंने दो बार समय मांगा है. उन्हें समय सीमा बढ़ा दी गई है. तीसरी बार भी समय सीमा बढ़ाई गई है. यदि वे और समय चाहते हैं, तो हम उन्हें समय देंगे. भाषा के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा. कई लोग तीन पीढ़ियों से मुंबई में रह रहे हैं. सभी यहां की संस्कृति में घुलमिल गए हैं. ये सभी हमारे अपने लोग हैं. ये हमारी संस्कृति के लोग हैं. उनके साथ कोई अन्याय नहीं किया जाएगा. इस बीच, अहिल्यादेवी होलकर ऋण माफी योजना के दूसरे चरण का वितरण हो चुका है. 6 लाख 36 हजार किसानों के खातों में 5 हजार 86 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं. दो चरणों में 12 लाख 56 हजार किसानों को ऋण माफी मिल चुकी है. उनके खातों में 10 हजार 115 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं. सभी प्रक्रियाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। जो किसान पात्र हैं, उनके लिए यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी, जब तक प्रत्येक किसान का केवाईसी पूरा नहीं हो जाता और उनके खातों में राशि वितरित नहीं हो जाती. उन्होंने बताया कि नियमित रूप से ऋण चुकाने वाले किसानों के खातों में 50 हजार रुपये अतिरिक्त वितरित किए जाएंगे.

संक्षिप्त खबरें

UN शांति सैनिकों पर हमले से बढ़ी चिंता, भारत ने की जांच की मांग

दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन (UNMISS) के तहत तैनात शांति सैनिकों पर हुए हमले को लेकर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. भारत ने 24 अगस्त 2026 को हुए हमले की निंदा करते हुए इसमें शहीद हुए इथियोपियाई ब्लू हेलमेट सैनिक को श्रद्धांजलि दी. साथ ही घायल शांति सैनिकों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की. भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिक संघर्ष प्रभावित इलाकों में शांति और सुरक्षा कायम करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. ऐसे में उन पर किसी भी तरह का हमला गंभीर चिंता का विषय है. भारत ने सभी संबंधित पक्षों से संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है. भारत ने इस बात पर भी जोर दिया कि ह्र परिसरों और संयुक्त राष्ट्र कर्मियों की सुरक्षा, पवित्रता और अक्षुण्णता का सम्मान किया जाना चाहिए. शांति सैनिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के जनादेश के तहत काम करते हैं और उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सभी पक्षों की है.

हमले के दोषियों पर कार्रवाई की मांग

भारत ने हमले की तत्काल और गहन जांच की मांग की है. भारत का कहना है कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए. इसके साथ ही दोषियों की जवाबदेही तय करने के लिए प्रभावी कार्रवाई जरूरी है. भारत ने इस संदर्भ में N Security Council Resolution 2589 का पूरी तरह पालन करने पर भी जोर दिया. यह प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में तैनात कर्मियों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने से संबंधित है.भारत की ओर से कहा गया कि शांति सैनिकों पर हमले केवल वहां तैनात कर्मियों की सुरक्षा के लिए खतरा नहीं हैं, बल्कि संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रयासों को भी प्रभावित कर सकते हैं. ऐसे हमलों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्पष्ट संदेश और जवाबदेही जरूरी है. इथियोपियाई शांति सैनिक की मौत पर संवेदना व्यक्त करते हुए भारत ने घायल जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की. साथ ही सभी पक्षों से संयम बरतने और संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन के काम में बाधा न डालने की अपील की गई. भारत ने स्पष्ट किया कि ह्र शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर कार्रवाई करना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा जिम्मेदारी है

पचमढ़ी में नाबालिग छात्रा से गैंगरेप जिप्सी से घूमाने के बहाने जंगल ले गए, फिर की दरिंदगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में स्थित एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में नाबालिग छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है. पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक स्थानीय जिप्सी चालक और होटल में काम करने वाले दो युवकों को हिरासत में लिया है. आरोपियों पर पीड़िता के दोस्त को बंधक बनाकर वारदात को अंजाम देने का आरोप है. जानकारी के मुताबिक पीड़िता पचमढ़ी में पढ़ाई करती है. जानकारी के मुताबिक, पीड़िता से 19 अगस्त की दोपहर करीब 2 बजे उसका एक स्कूल फ्रेंड उससे मिलने पचमढ़ी आया था. बस स्टैंड पर उसकी मुलाकात जिप्सी ड्राइवर हरिओम से हुई. उस समय हरिओम के साथ पवन बंसल और अभिषेक वंशकार भी मौजूद थे. इसके बाद सभी हरिओम की जिप्सी से घूमने निकले. आरोपी उन्हें दक्षिण स्काउट गाइड के पास स्थित जंगल में ले गए. वहां दोनों को डराया-धमकाया और विरोध करने पर छात्रा के दोस्त को जिप्सी से बांध दिया. इसके

बाद छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया. वारदात के बाद दोनों को वापस बस स्टैंड पर छोड़ दिया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी.

बहन के पूछने पर पीड़िता ने बताया आपबीती

घटना के बाद डरी हुई पीड़िता घर लौट आई और स्कूल जाना बंद कर दिया. बड़ी बहन ने स्कूल न जाने का कारण पूछा तो पीड़िता ने उसे पूरी घटना बताई. इसके बाद रविवार रात वह परिजन के साथ पचमढ़ी थाने पहुंची. मामले की गंभीरता को देखते हुए पिपरिया से महिला सब-इंस्पेक्टर (SI) मोनिका सिंह पचमढ़ी पहुंचीं और पीड़िता के बयान दर्ज किए. पुलिस ने हरिओम, पवन बंसल और अभिषेक वंशकार के खिलाफ मामला दर्ज किया.

तीनों आरोपी गिरफ्तार

एडिशनल एसपी अभिषेक राजन ने बताया कि पचमढ़ी में एक नाबालिक के साथ दुष्कर्म का घटना सामने आया है. 19 तारीख का घटनाक्रम है, जो पीड़िता है अपने परिचित के साथबनखेड़ी वापस घर लौट रही थी. इसी बीच उसके परिचित का एक मित्र अन्य दो मित्रों के साथ आया और पीड़िता और उसके मित्र को सुनसान जगह पर ले गए और डरा धमका कर वहां पीड़िता के साथ इन लोगों द्वारा गलत कृत्य किया गया. 23 तारीख को पीड़िता के द्वारा संपूर्ण घटनाक्रम की रिपोर्ट पचमढ़ी थाने में की गई. इसके बाद पुलिस की अलग-अलग टीमें एक्टिव हुई. रिपोर्ट करने के 6 घंटे के अंतराल में ही तीनों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया गया है. तीनों आरोपियों ने जो भी उनके द्वारा क्राइम किया गया है उसको एक्सेप्ट कर लिया है. उनको न्यायालय प्रस्तुत किया जा रहा है. आरोपी मूल रूप से बनखेड़ी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं और इनके द्वारा मजदूरी और छोटे-मोटे काम किए जाते है.

अलीगढ़ में लोअर पीसीएस मुख्य परीक्षा संपन्न, सिविल सेवा के सपने संजोए अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

अलीगढ़। दो घंटे... एक परीक्षा... और हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य। सिविल सर्विसेज में जाने का सपना लिए किसी के चेहरे पर आत्मविश्वास था तो किसी के माथे पर परीक्षा का तनाव। सुबह के नौ बजते-बजते शहर के 19 परीक्षा केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों की चहल-पहल बढ़ गई। कोई प्रवेशपत्र संभालता नजर आया तो कोई आखिरी बार किताब के पन्ने पलटता दिखा। गेट खुलते ही अभ्यर्थियों का प्रवेश शुरू हुआ और ठीक सुबह 10 बजे उत्तर प्रदेश लोअर पीसीएस मुख्य परीक्षा-2025 शुरू हो गई। कड़ी सुरक्षा के बीच दोपहर 12 बजे तक परीक्षा चली। अंदर अभ्यर्थी अपने सवालों से जूझते रहे और बाहर उनके स्वजन परीक्षा खत्म होने का इंतजार करते रहे। परीक्षा देकर बाहर आए कुछ अभ्यर्थियों के चेहरे पर तनाव था तो कुछ उलझन में नजर आए। परीक्षा में नौ हजार 408 अभ्यर्थियों के सापेक्ष छह हजार 920 ही सम्मिलित हुए। दो हजार 488 ने परीक्षा छोड़ दी।

उल्टी-दस्त और पेट दर्द कोटा में मिड-डे मील खाने के से बिगड़ी 27 बच्चों की तबीयत, 14 अस्पताल में भर्ती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राजस्थान के कोटा में मिड-डे मील खाने के बाद 27 बच्चों की तबीयत बिगड़ने से हड़कंप मच गया. मामला रानपुर थाना क्षेत्र के पूनिया देवरी गांव स्थित सरकारी स्कूल का है. सोमवार को स्कूल में बच्चों को मिड-डे मील में कद्दू की सब्जी परोसी गई थी. खाना खाने के करीब दो घंटे बाद एक-एक कर बच्चों को उल्टी-दस्त, चक्कर और कमजोरी की शिकायत होने लगी. देखते ही देखते करीब 26 से 27 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई. बच्चों की हालत खराब होने की सूचना मिलते ही परिजनों में अफरा-तफरी मच गई. परिजन बच्चों को लेकर न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे, जहां सभी का उपचार शुरू किया गया. जानकारी के मुताबिक, 14 बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई. फिलहाल अस्पताल में भर्ती बच्चों की हालत पहले से बेहतर बताई जा रही है.

सब्जी खाने से बिगड़ी तबीयत

जानकारी के अनुसार बच्चों ने स्कूल में मिड-डे मील के तहत कद्दू की सब्जी खाई थी. भोजन करने के कुछ समय बाद ही बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी. ऐसे में भोजन की शुद्धता और बनाने करने की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठने लगे हैं. हालांकि, बच्चों की तबीयत बिगड़ने की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी. मामले की जानकारी मिलने के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और बच्चों का हाल चाल जाना. स्कूल में परोसे गए भोजन के सैंपल की जांच और घटना के अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है. जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह पता चल पाएगा कि भोजन में किसी तरह की गड़बड़ी थी या बच्चों की तबीयत बिगड़ने की कोई दूसरी वजह रही.

बीकानेर में भीषण सड़क हादसा, कार-डंपर की आमने-सामने टक्कर पति-पत्नी समेत तीन की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राजस्थान के बीकानेर में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में पति-पत्नी समेत तीन लोगों की मौत हो गई. हादसा नोखा से माडपुरा गांव लौटते समय हुआ, जब रॉन्ग साइड से आ रहे एक डंपर ने कार को सामने से जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया. जानकारी के मुताबिक, सुगनाराम डूडी अपने परिवार के साथ नोखा से माडपुरा गांव की ओर लौट रहे थे. इसी दौरान खींवसर-माडपुरा सड़क मार्ग पर सामने से आ रहे डंपर ने उनकी कार को टक्कर मार दी. बताया जा रहा है कि डंपर रॉन्ग साइड में चल रहा था. अचानक सामने से आए डंपर को देखकर कार सवारों को संभलने का मौका नहीं मिला और दोनों वाहनों के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई.

सड़क हादसे में तीन की मौत

हादसे में कार सवार सुगनाराम डूडी, उनकी पत्नी सुवा देवी और मानी देवी की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं धन्नाराम गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी. स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद धन्नाराम की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जोधपुर रेफर कर दिया गया. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया. सड़क पर क्षतिग्रस्त कार और डंपर के कारण यातायात भी प्रभावित हुआ. सूचना मिलने पर पांचौड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया. पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की.

डंपर चालक मौके से फरार

हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया. पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है. पुलिस आसपास के इलाकों में पूछताछ करने के साथ ही हादसे की परिस्थितियों की जांच कर रही है. यह भी पता लगाया जा रहा है कि डंपर रॉन्ग साइड में क्यों चल रहा था और हादसे के समय उसकी गति कितनी थी. इस दर्दनाक हादसे की खबर जैसे ही परिजनों और गांव तक पहुंची, वहां मातम छा गया. एक ही हादसे में पति-पत्नी समेत तीन लोगों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है. पुलिस का कहना है कि मामले में जांच के बाद हादसे की पूरी तस्वीर स्पष्ट होगी और फरार डंपर चालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

अतीक अहमद के बेटे मोहम्मद उमर को इलाहाबाद हाई कोर्ट से बड़ा झटका, जमानत याचिका की खारिज

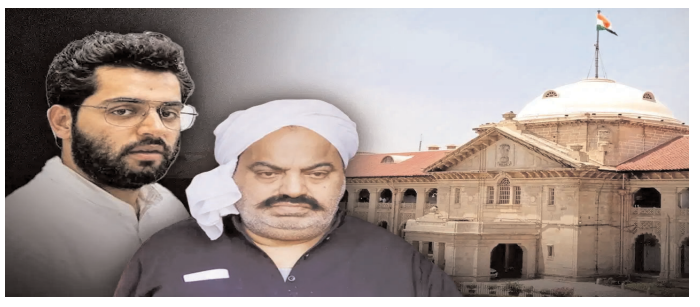

इलाहाबाद हाई कोर्ट से माफिया अतीक अहमद के बेटे मोहम्मद उमर को बड़ा झटका लगा है. हाई कोर्ट ने मोहम्मद उमर की जमानत अर्जी की खारिज कर दी है. मोहम्मद उमर अली के खिलाफ अतीक अहमद के फाइनेंसर बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम ने एफआईआर दर्ज कराई थी. जस्टिस अवनीश सक्सेना की सिंगल बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए सोमवार को जमानत अर्जी खारिज की दी. 26 अप्रैल 2023 को खुल्दाबाद थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी. यह एफआईआर अली अहमद, मोहम्मद उमर, असाद कालिया, एहतेशाम करीम, अजय और मोहम्मद नसरत के खिलाफ दर्ज कराई गई थी.यह एफआईआर एक करोड़ 20 लाख की रंगदारी, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दर्ज कराई गई थी. मोहम्मद उमर फिलहाल लखनऊ जेल में बंद है.

भाई के जनाजे में शामिल होने के लिए मिली थी पैरोल

सोमवार को जमानत खारिज होने से कुछ हफ्ते पहले सात अगस्त को हाई कोर्ट ने मोहम्मद उमर और अली अहमद को सख्त गाइडलाइंस के तहत थोड़ी देर के लिए पैरोल दी थी. उन्हें अपने छोटे भाई, अबान के जनाजे में शामिल होने के लिए कुछ समय के लिए जेल से बाहर जाने की इजाजत दी गई थी. साथ ही मीडिया से दूर रहने के साफ आदेश भी दिए गए थे. कार दुर्घटना में अबान की मौत हो गई थी. कोर्ट द्वारा पैरोल दिए जाने के बाद ये जनाजे में शामिल हुए थे और दोनों भाईयों को आपस में लिपटकर रोते भी देखा गया था.

सुरक्षा को लेकर जताई थी चिंता

इससे पहले दोनों भाइयों ने पहले भी हाई कोर्ट से गुहार लगाई थी कि ट्रायल की कार्रवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की जाए. उन्होंने जेल के अंदर अपनी सुरक्षा को लेकर डर जताया, जहां वे बंद हैं. मोहम्मद उमर के खिलाफ मुख्य आरोप मोहम्मद उमर पर कई क्रिमिनल केस चल रहे हैं. जिनमें 2018 देवरिया जेल केस शामिल है. इसमें लखनऊ के एक बिजनेसमैन के कथित किडनैपिंग, मारपीट और जबरन वसूली का आरोप है. वहीं, उमेश पाल मर्डर केस में उमर को गवाह उमेश पाल की दिनदहाड़े हत्या के पीछे बड़ी साज़िश करने वाली टीम के हिस्से के तौर पर नामजद किया गया और चार्जशीट किया गया.

गौशालाओं में अव्यवस्था पर गौ सेवक धरने पर बैठे, कलेक्ट्रेट प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। जिले की गौशालाओं में अव्यवस्था और गोवंशों की देखरेख में लापरवाही का आरोप लगाते हुए सोमवार शाम गौ सेवक शिवम रावत कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठ गए। उन्होंने गौशालाओं में गोवंशों को दिए जाने वाले चारे की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए और जिम्मेदार अधिकारियों से जांच कर कार्रवाई की मांग की।

चारे में घुन और कीड़े होने का आरोप

गौ सेवक शिवम रावत ने आरोप लगाया कि गौशालाओं में गोवंशों को ऐसा चारा खिलाया जा रहा है, जिसमें घुन और कीड़े पड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि चारे की गुणवत्ता की उचित जांच नहीं की जा रही है। इसके अलावा कई क्षेत्रों में अन्ना गोवंशों के साथ अनहोनी की घटनाएं होने का भी आरोप लगाया। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (सीवीओ), ब्लॉक स्तर के अधिकारियों और ग्राम प्रधानों पर भी गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि गौशालाओं में गोवंशों की स्थिति और उपलब्ध व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी नहीं होने के कारण समस्याएं बनी हुई हैं।

एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर सुनी शिकायत

सोमवार शाम करीब साढ़े चार बजे कलेक्ट्रेट में गौ सेवक के धरने की सूचना अधिकारियों को मिली। सूचना मिलते ही एसडीएम सदर राजेश विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे और शिवम रावत से बातचीत की। गौ सेवक ने एसडीएम के सामने गौशालाओं की व्यवस्थाओं और गोवंशों की स्थिति से जुड़ी अपनी शिकायतें विस्तार से रखीं। उन्होंने अन्ना गोवंशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित क्षेत्रों में जांच कर कार्रवाई की मांग की। एसडीएम सदर ने शिकायतें सुनने के बाद संबंधित क्षेत्रों की गौशालाओं और गोवंशों की स्थिति की जांच के लिए टीम भेजने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। गौ सेवक ने अधिकारियों से मौके पर जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में गोवंशों के लिए चारा, पानी और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं बेहतर होनी चाहिए। अब जांच टीम की रिपोर्ट के बाद ही लगाए गए आरोपों की सच्चाई सामने आएगी।

संक्षिप्त खबरें

बारावफात को लेकर प्रशासन अलर्ट, नई परंपरा पर रोक

उन्नाव। बारावफात पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर विकास भवन सभागार में डीएम घनश्याम मीना की अध्यक्षता और एसपी जय प्रकाश सिंह की मौजूदगी में पीस कमेटी की बैठक हुई। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जुलूस पूर्व निर्धारित रूट और परंपराओं के अनुसार ही निकाले जाएं। किसी नई परंपरा की अनुमति नहीं होगी। जुलूस मार्गों पर साफ-सफाई, प्रकाश, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के साथ जर्जर बिजली लाइनों को ठीक कराने के निर्देश दिए। डीएम ने डीजे और झंडों की ऊंचाई का विशेष ध्यान रखने, डीजे के ऊपर युवाओं के न बैठने तथा अश्लील गाने न बजाने की हिदायत दी। जुलूस मार्गों से आवारा पशुओं को हटाने और तहसील व जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश भी दिए। एसपी जय प्रकाश सिंह ने युवाओं से अति उत्साह में कोई ऐसा कार्य न करने की अपील की जिससे किसी को नुकसान पहुंचे। उन्होंने अफवाहों से बचने और आपसी भाईचारा व सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

उन्नाव में डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार की मौत

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसा बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के जोगीकोट गांव के पास सुबह करीब 8:30 बजे हुआ। मृतक की पहचान ठाकुरगंज, लखनऊ निवासी आयुष शुक्ला पुत्र राजगोपाल शुक्ला के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, आयुष शुक्ला लखनऊ से आगरा की ओर जा रहे थे। पर खड़े एक ट्रक को बचाने के प्रयास में उनकी स्प्लेंडर बाइक अनियंत्रित हो गई। इसके बाद बाइक डिवाइडर से जा टकराई, जिससे आयुष शुक्ला गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फर्जी कंपनियों के जरिए 22 करोड़ से अधिक की विदेशी धनराशि भेजने का आरोप

आगरा। आयकर विभाग की शिकायत पर ताजगंज थाने में चार्टर्ड अकाउंटेंट रेहान खान के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि उसने फर्जी, अस्तित्वहीन और शेल कंपनियों के लिए बिना उचित सत्यापन के फॉर्म-15सीबी जारी किए, जिनके आधार पर भारत से विदेशों में बड़ी रकम भेजी गई। मुकदमे में 18 कंपनियों के माध्यम से करीब 22.12 करोड़ रुपये की संदिग्ध विदेशी धनराशि भेजे जाने का उल्लेख है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मुकदमे के अनुसार आयकर विभाग की जांच शाखा ने 18 अगस्त को चार्टर्ड अकाउंटेंट के ठिकाने पर तलाशी कार्रवाई की थी। जांच में आरोपित द्वारा विदेशों में धन भेजने के लिए फॉर्म-15सीबी प्रमाणपत्र जारी करने के मामले सामने आए। शिकायत में आरोप है कि प्रमाणपत्र जारी करने से पहले रेमिटर और संबंधित दस्तावेजों का आवश्यक सत्यापन नहीं किया गया।

निकली कलश यात्रा,108 कन्याओं ने किया 12 ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश – रामगढ़ कसारी स्थित रामसरोवर पर मंदिर प्रांगण में 12 ज्योतिर्लिंग पर 108 कन्याओं द्वारा जलाभिषेक किया गया। तियरा ब्रह्मबाबा मंदिर स्थित तालाब से कलश में जल लेकर डीजे की धुन पर नाचते हुए 108 कन्याओं के साथ ही शिव शक्ति महिला मंडल एवं भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट के लोगों ने खूब जयकारे लगाया। आचार्य अमरेश मिश्र, एवं दशरथ शुक्ला द्वारा रुद्राभिषेक पूजन कराया गया। आरती पूजन के दौरान समूचा स्थल जयकारों से गुंजायमान हो गया। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरि जी महाराज ने बताया कि पूरे सावन माह भर आचार्य अमरेश मिश्र द्वारा रुद्राभिषेक पूजन व आरती कराया जा रहा है। यह रुद्राभिषेक कार्यक्रम 28 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि तियरा ब्रह्मबाबा मंदिर स्थित तालाब से 108 कन्याओं द्वारा कलश में जल भरकर एवं शिव शक्ति महिला मंडल व भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट के लोगों द्वारा डीजे की धुन पर नाचते हुए खूब जयकारे लगाए गए। इस दौरान 6 महिलाओं ने तलवार लेकर प्रदर्शन किया।

समूचा रास्ता जयकारे से गुंजायमान हो गया। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भिखारी बाबा ने रुद्राभिषेक में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का आग्रह किया है। कार्यक्रम में महेंद्र सिंह, अजय सिंह, किरन मोदनवाल, उर्मिला केशरी, लीलावती, प्रियंका गुप्ता, राजपति, राधिका केशरी, चिंता मौर्य, उर्मिला देवी, प्रहलाद, रामरक्षा, राजेंद्र महाराज, रामखेलावन, परमानंद, रमेश कुमार, कालो देवी, विमला देवी, मीरा, रितुयादव, हीरा सिंह आदि मौजूद रहे।

हंसिया से हमला कर छोटे भाई की हत्याः विवाद में बड़े भाई ने किया था वार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पुरवा, उन्नाव। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के चक जमालपुर गांव में रविवार रात शराब के नशे में हुए विवाद के दौरान बड़े भाई ने छोटे भाई पर हंसिया से हमला कर उसकी हत्या कर दी। हमले में गंभीर रूप से घायल युवक की सीएचसी पुरवा में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी बड़े भाई को हिरासत में ले लिया है। शराब के नशे में हुआ विवाद

चक जमालपुर निवासी सुंदरलाल के 27 वर्षीय बेटे केशन का रविवार रात अपने 24 वर्षीय छोटे भाई दिलीप से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि उस समय केशन शराब के नशे में था। विवाद बढ़ने पर उसने हंसिया से दिलीप पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से दिलीप

जमीन पर गिर पड़ा। उसकी चीख-पुकार सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। अस्पताल ले जाते ही डॉक्टरों ने मृत घोषित किया परिजन आनन-फानन में दिलीप को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुरवा लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुरवा कोतवाली प्रभारी भुवन सिंह मौर्य पुलिस टीम के साथ गांव पहुंचे और घटनास्थल की जानकारी ली। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी केशन को हिरासत में ले लिया। पत्नी माधुरी सदमे में दिलीप की मौत की खबर मिलते ही उसकी पत्नी माधुरी गहरे सदमे में आ गई। परिजनों के मुताबिक, दोनों भाइयों के बीच विवाद किस बात को लेकर शुरू हुआ था, इसकी स्पष्ट जानकारी अभी नहीं हो सकी है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी भुवन सिंह मौर्य ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में अंबेडकरप्रतिमापुनस थापित करने की मांग

उन्नाव। गंगाघाट थाना क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के दौरान हटाई गई बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को दोबारा स्थापित करने की मांग को लेकर स्थानीय नागरिकों ने सोमवार दोपहर एसडीएम कहकशां को ज्ञापन सौंपा। नागरिकों ने प्रशासन से प्रतिमा को उसके पूर्व स्थान पर सम्मानपूर्वक स्थापित करने की मांग की है। कई वर्षों से स्थापित थी प्रतिमा ज्ञापन में बताया गया कि गंगाघाट थाने के पास बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा कई वर्षों से स्थापित थी। यह प्रतिमा क्षेत्र के लोगों और बाबा साहेब के अनुयायियों के लिए सम्मान और प्रेरणा का एक महत्वपूर्ण केंद्र रही है। लगभग 12 वर्ष पहले सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू होने पर इस प्रतिमा को वहां से हटा दिया गया था।

आश्वासन के बाद भी दोबारा स्थापित नहीं हुई स्थानीय लोगों के अनुसार, उस समय प्रशासन ने आश्वासन दिया था कि सड़क चौड़ीकरण का काम पूरा होने के बाद प्रतिमा को उसी स्थान पर सम्मानपूर्वक पुनर्स्थापित कर दिया जाएगा। हालांकि, सड़क निर्माण कार्य पूरा होने के एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद प्रतिमा को दोबारा स्थापित नहीं किया गया है। इस दिशा में ठोस कार्रवाई न होने से लोगों में गहरी नाराजगी है। नागरिकों का कहना है कि यह प्रतिमा केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि बाबा साहेब के विचारों और सामाजिक समानता के संदेश का प्रतीक है। लंबे समय से प्रतिमा की पुनर्स्थापना की मांग लंबित है, जिससे स्थानीय नागरिकों और अनुयायियों में निराशा बनी हुई है। जल्द पुनर्स्थापना की मांग ज्ञापन के माध्यम से अर्पित गौतम और अनिमेष गौतम सहित अन्य लोगों ने एसडीएम से मांग की है कि संबंधित स्थल का भौतिक परीक्षण कराया जाए। उन्होंने सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर जल्द से जल्द डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा को उसके पूर्व स्थान पर स्थापित करने का आग्रह किया। नागरिकों ने कहा कि प्रतिमा की पुनर्स्थापना से क्षेत्रवासियों की भावनाओं का सम्मान होगा और उनकी वर्षों पुरानी मांग पूरी हो सकेगी।

आगरा के मलपुरा में अराजक तत्वों ने कांवड़ियों को घेरा, कांवड़ खंडित करने की कोशिश

मलपुरा (आगरा)। जगनेर रोड पर अराजक तत्वों ने सोमवार सुबह फ़िज़ा बिगाड़ने की कोशिश की। उन्होंने पहले कांवड़ लेकर जा रहे शिवभक्तों के जत्थे में स्कूटी लहराकर अफरा तफरी मचा दी। विरोध करने पर गाली-गलौज की। फिर करीब सवा किलोमीटर दूर साथियों को बुलाकर कांवड़ियों की घेराबंदी कर दी। उनके साथ हाथापाई करते हुए कांवड़ छीनने कर खंडित करने का प्रयास किया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से कांवड़िये सहम गए। राहगीरों के हस्तक्षेप और पुलिस के पहुंचने पर उत्पाती भागने लगे। पुलिस ने दो युवकों को स्कूटी समेत दबोच लिया। गांव खलौआ निवासी जसवंत सिंह पुत्र तालेवर सिंह सोमवार सुबह करीब 09:00 बजे एक दर्जन शिवभक्तों के साथ कासगंज के कछला घाट से डाक कांवड़ लेकर धनौली स्थित मुल्ला की प्याऊ की ओर जा रहे थे। पीछे से स्कूटी सवार दो युवक आए। उनके जत्थे में स्कूटी लहराते हुए घुस गए। इससे कांवड़ियों में अफरा-तफरी मच गई। शिवभक्तों ने विरोध किया तो आरोपित गाली-गलौज करते हुए आगे निकल गए। करीब सवा किलोमीटर आगे नगला रेवती के पास दोनों युवकों ने अन्य साथियों को बुला लिया। कांवड़ियों के पहुंचते ही उनकी घेराबंदी कर दी। अराजक तत्वों ने शिवभक्तों के साथ हाथापाई शुरू कर दी। कांवड़ छीनने की कोशिश की।

महिला उत्पीड़न से जुड़े प्रकरणों की राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष एवं सदस्य ने की जनसुनवाई

विंध्य कन्या पीजी कॉलेज पहुंचीं आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी एवं सदस्य गीता विश्वकर्मा, छात्राओं से किया संवाद

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश – उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी एवं सदस्य गीता विश्वकर्मा ने सर्किट हाउस सभागार में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों की जनसुनवाई की तथा जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। जनसुनवाई के दौरान राज्य महिला उपाध्यक्ष ने महिलाओं से संबंधित प्राप्त शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने पुलिस विभाग एवं संबंधित अधिकारियों से कहा कि महिला उत्पीड़न से जुड़े प्रकरणों का त्वरित, संवेदनशील एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें आवश्यक सहायता समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाए। बैठक में महिला कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, महिला हेल्पलाइन-181 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी पहुंचे और उन्हें समय से लाभ प्राप्त हो सके। राज्य महिला उपाध्यक्ष एवं सदस्य ने समाज कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, ओडीओपी योजना, आश्रम पद्धति विद्यालयों में प्रवेश एवं उपलब्ध सुविधाओं, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की भी समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों से इन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग को प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। आगे राज्य महिला उपाध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र महिला तक पहुंचना चाहिए। महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महिला जनसुनवाई कार्यक्रमों को प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने जनपद में महिला अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की।

इसके उपरांत राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी एवं सदस्य गीता विश्वकर्मा ने उरमौरा स्थित विंध्य कन्या पीजी कॉलेज का भ्रमण किया। महाविद्यालय पहुंचने पर कॉलेज प्रशासन एवं शिक्षिकाओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। दोनों पदाधिकारियों ने छात्राओं से संवाद करते हुए उनकी शिक्षा, सुरक्षा, अधिकारों, आत्मनिर्भरता एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में निडर होकर संबंधित अधिकारियों एवं उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं के माध्यम से सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। राज्य महिला उपाध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए शिक्षा के साथ जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। शिक्षित, जागरूक एवं आत्मविश्वासी बेटियां ही सशक्त परिवार और सशक्त समाज की मजबूत नींव तैयार करती हैं।

सोनभद्र में आरटीई के तहत 1730 वंचित बच्चों को मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

योगी सरकार में पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया से बढ़ी पहुंच

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश – आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में योगी सरकार की पहल का सोनभद्र में सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत जिले में वर्तमान में 1730 वंचित बच्चों को निजी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिल रहा है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि प्रदेश सरकार ने आरटीई के तहत पात्र बच्चों को निजी विद्यालयों में प्रवेश दिलाने की प्रक्रिया को पारदर्शी और ऑनलाइन बनाया है। इसका परिणाम यह हुआ है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए अच्छे निजी विद्यालयों में शिक्षा हासिल करने के अवसर तेजी से बढ़े और वर्तमान में 1730 वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन, सत्यापन और लॉटरी की पारदर्शी व्यवस्था ने पात्र बच्चों को बिना किसी भेदभाव के शिक्षा का अधिकार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।ङ्क सरकार की इस व्यवस्था से उन परिवारों को सबसे अधिक राहत मिली है, जो आर्थिक कारणों से अपने बच्चों को बेहतर निजी विद्यालयों में पढ़ाने में सक्षम नहीं थे। आरटीई के माध्यम से ऐसे बच्चों को निःशुल्क शिक्षा का अवसर मिलने से उनके भविष्य को नई दिशा मिल रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि वंचित बच्चों की शिक्षा का खर्च सरकार स्वयं वहन कर रही है। इसके तहत सोनभद्र में निजी विद्यालयों को आरटीई के अंतर्गत पढ़ रहे बच्चों की फीस की प्रतिपूर्ति के रूप में हर साल करीब 7.50 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है। इससे जहां बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है, वहीं निजी विद्यालयों को भी सरकार की ओर से निर्धारित प्रतिपूर्ति प्राप्त हो रही है। योगी सरकार की इस पहल को सामाजिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में आर्थिक असमानता को कम करने और गरीब परिवारों के बच्चों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में योगी सरकार के प्रयास प्रभावी माध्यम बन रहे हैं।

उन्नाव में 250 केवीए ट्रांसफार्मर चोरीः कॉपर वाइंडिंग और उपकरण पार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। जिले के सैंता गांव में चोरों ने विद्युत विभाग के 250 केवीए ट्रांसफार्मर को निशाना बनाया। चोरों ने ट्रांसफार्मर को प्लिंथ से गिराकर उसकी कॉपर वाइंडिंग और अन्य कीमती उपकरण चोरी कर लिए। चोरों ने ट्रांसफार्मर का तेल भी जमीन पर बहा दिया और 11 केवी तथा एलटी लाइन से जुड़े तार व केबल भी काट कर ले गए। इस घटना से विद्युत विभाग में हड़कंप मच गया। ट्रिपिंग के दौरान वारदात की आशंका विद्युत उपकेंद्र एफ-84 (तकिया) में तैनात अवर अभियंता पवन कुमार ने पुलिस को बताया कि ग्राम सैंता में एमकेआई स्कूल के पास यह 250 केवीए का ट्रांसफार्मर स्थापित था, जो 11 केवी उगू फीडर से जुड़ा हुआ था। 20 अगस्त की रात करीब 1:20 बजे फीडर में

अचानक ट्रिपिंग हुई और लगभग 2 बजे आपूर्ति सामान्य हो सकी। विभागीय अधिकारियों को आशंका है कि इसी दौरान चोरों ने इस वारदात को अंजाम दिया। सुबह जब उपकेंद्र परिचालक और लाइनमैन मौके पर पहुंचे, तो ट्रांसफार्मर अपनी जगह से नीचे गिरा हुआ मिला। जांच करने पर पता चला कि चोरों ने ट्रांसफार्मर को प्लिंथ से गिराने के बाद उसका तेल निकाल लिया था। इसके बाद ट्रांसफार्मर को खोलकर उसमें लगी कॉपर वाइंडिंग समेत अन्य आवश्यक उपकरण निकाल लिए गए। पुलिस जांच में जुटी घटना की जानकारी मिलते ही विद्युत विभाग के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया और नुकसान का आकलन शुरू किया। ट्रांसफार्मर चोरी होने से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। अवर अभियंता पवन कुमार की तहरीर पर रविवार रात फतेहपुर चौरासी पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत चोरी का मुकदमा दर्ज किया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक बाबू राम को सौंपी गई है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और फीडर में ट्रिपिंग के समय व आसपास की गतिविधियों की जानकारी जुटाकर चोरों की पहचान का प्रयास कर रही है।

बर्डपुर- कपिलवस्तु मार्ग पर बाइक की टक्कर से महिला की मौत

सिद्धार्थनगर। जिले के कपिलवस्तु कोतवाली क्षेत्र के चैनपुर चौराहे के पास सोमवार दोपहर बाइक की टक्कर लगने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। राहगीरों की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बर्डपुर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने घायल महिला को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सदर थाना क्षेत्र के मधुबेनिया चौराहा निवासी शीला देवी (45) पत्नी शिव नारायण अग्रहरि अपनी छोटी बहन गुड़िया को देखने नेपाल निवासी राहुल के साथ बाइक से चैनपुर स्थित एक निजी अस्पताल जा रही थीं। गुड़िया नेपाल के दोहनी की निवासी हैं। एक निजी अस्पताल में उसका उपचार चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही स्वजन मौके पर पहुंच गए। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मृतका शीला देवी के तीन पुत्र और दो पुत्रियां हैं। सूचना पर शुद्धोधन चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। कपिलवस्तु कोतवाली प्रभारी विनय प्रताप सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और विधिक कार्रवाई की जा रही हैं।

आगरा में रसोई गैस उपभोक्ताओं को झटका, केवाईसी न कराने पर कटेंगे कनेक्शन

आगरा। एलपीजी गैस सिलिंडर उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य किया गया है, लेकिन जिले में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं कराई है। कंपनियों की ओर से लगातार उपभोक्ताओं को केवाईसी कराने के लिए कहा जा रहा है। बावजूद इसके उपभोक्ताओं की लापरवाही और कंपनियों की सीमित रुचि के कारण कार्य की गति काफी धीमी चल रही है। ऐसे में जिन उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी अभी तक नहीं कराई है, उनकी गैस सिलिंडर बुकिंग कभी भी बंद की जा सकती है। जिले में लगभग 13 लाख 50 हजार एलपीजी उपभोक्ता हैं। इनमें सबसे अधिक लगभग 50 प्रतिशत उपभोक्ता इंडियन आयल कारपोरेशन (आईओसी) के हैं। शेष अन्य पेट्रोलियम कंपनियों के हैं। ई-केवाईसी के माध्यम से उपभोक्ताओं के कनेक्शन का सत्यापन किया जा रहा है। गैस एजेंसियों और तेल कंपनियों की ओर से उपभोक्ताओं से ई-केवाईसी पूरी कराने के लिए कहा जा रहा है। एजेंसी पर जाकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत केवाईसी कराई जा सकती है। बावजूद इसके बड़ी संख्या में उपभोक्ता इसे टाल रहे हैं।

गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित तीन अभियुक्तों पर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने घोषित किया 20-20 हजार का पुरस्कार

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश – पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना चोपन पर पंजीकृत मु0अ0सं0-420/2025 धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे तीन अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा प्रत्येक अभियुक्त पर 20,000/- (बीस हजार रुपये) का पुरस्कार घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि उक्त अभियुक्तों के विरुद्ध थाना चोपन जनपद सोनभद्र पर गैंगस्टर एक्ट का अभियोग पंजीकृत है तथा तीनों अभियुक्त उक्त मुकदमे में वांछित चल रहे हैं। अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुरस्कार घोषित वांछित अभियुक्तों का विवरण-आकाश शुक्ला पुत्र दिनेश शुक्ला निवासी बारी सोरांव, थाना

फाफामऊ, जनपद प्रयागराज।पुरस्कार : 20,000/- व धीरेन्द्र तिवारी उर्फ राजेश तिवारी पुत्र कैलाश तिवारी निवासी ग्राम सलैया, थाना कमर्जी, जनपद सीधी, मध्य प्रदेश।पुरस्कार : ?20,000/- वआयुष पाण्डेय उर्फ नितिन पुत्र सुनील कुमार पाण्डेय निवासी बनाई का पुरा, जुड़ापुर जीर बरी भोज, थाना नवाबगंज, जनपद प्रयागराज पुरस्कारः ?20,000/- तीनों अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास-मु0अ0सं0-420/2025 धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र, मु0अ0सं0-86/2025 धारा 20, 27(ए), 29, 60, 8 एनडीपीएस एक्ट, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त वांछित अभियुक्तों के संबंध में कोई विश्वसनीय सूचना प्राप्त होती है, तो वह निकटतम पुलिस थाना अथवा जनपद सोनभद्र पुलिस को तत्काल अवगत करा सकता है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

डीएम साहब जरा एक नज़र इधर भी

प्लाईवुड फैक्ट्रियों आरा व विनियर मशीनों के मकड़जाल में फंसी पर्यावरण व्यवस्था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर सीतापुर सरकार जहां एक तरफ लाखों करोड़ों खर्च कर पर्यावरण को सुरक्षित बनाने के लिए लाखों पेड लगाने मे जुटी हुई हैं वहीं कस्बा लहरपुर के नगर सहित आसपास के क्षेत्र मे आबादी के बीचोबीच लगीं आधा दर्जन से अधिक प्लाईवुड फैक्ट्रियां और एक दर्जन से अधिक आरा और विनियर मशीनें दिनरात जहर उगलने का काम कर रहीं हैं। इन प्लाईवुड और विनियर मशीनों से निकलता जहर जहां एक तरफ आसपास के आबादी क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों की वजह बनता चला जा रहा है वहीं पर्यावरण प्रदूषण के नाम पर सरकारी मशीनरी की दिन रात की जा रही मेहनत पर पानी फेरता भी नजर आ रहा है। दिलचस्प पहलू ये है कि कस्बे सहित केसरीगंज क्षेत्र मे मौजूद ये प्लाईवुड फैक्ट्रियां आरा व विनियर मशीने न केवल पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा हैं बल्कि सरकार को राजस्व का भारी चूना भी लगा रही हैं। सूत्रों की माने तो मण्डी कर की चोरी , जीएसटी की चोरी, ओवरलोडिंग और अवैध कटान की लकडी की खपत का ये एक बडा जरिया हैं लेकिन स्थानीय कर्मचारियों और कुछ दलालों की मिलीभगत के चलते इन अवैध कारोबारियों की पौ बारह है।

विभागीय सूत्रों की माने तो इन अवैध कारोबारियों ने एक ही छत के नीचे दो-दो, तीन-तीन लाइसेंस ले रखे हैं लेकिन निचले विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत से दिन रात विभागीय मानकों और नियम कानूनों की धज्जियां उडाई जा रही हैं सूत्रों का यहां तक दावा है कि विभागीय अधिकारियों के निरीक्षण की खबर लीक होते ही सब-कुछ कुछ दिनों के लिये चाक-चौबंद कर दिया जाता है और कुछ दिनो बाद गाड़ी फिर अपने मूल ढर्रे पर वापस आ जाती है। गौरतलब है कि इन प्लाईवुड फैक्ट्रियों मे बिजली के उचित लोड वाले कामर्शियल कनेक्शन के साथ ध्वनि प्रदूषण से बचने के लिये साइलेंट जेनरेटर की व्यवस्था अनुमन्य होने का सूत्रों का दावा हकीकत मे सिर्फ दिखावा नजर आता है। सच्चाई के आइने में झांके तो यह पूरा गडबडझाला कई विभागों के कर्मचारियों, दलालों और अवैध कारोबारियों की कमाई और सरकार को कई स्तरों पर राजस्व का चूना लगाने का जरिया बना हुआ है जिसकी व्यापक स्तर पर गहन जांच कराये जाने की आवश्यकता है । अब देखना यह है कि अपनी तैनाती के बाद से ही अपनी तेजतर्रार छवि की पहचान बनाने वाले जिलाधिकारी राजा गणपति आर की निगाहें इस ओर कब घूमती हैं और कब इन सफेदपोश अवैध कारोबारियों के चेहरे पर पड़ा नकाब उतरता है।

ग्रामीण अभियंत्रण विभाग परिसर में रुद्राभिषेक एवं विशाल भंडारे का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, सर्वोदय नगर लखनऊ के तत्वावधान में सोमवार, 24 अगस्त 2026 को विभागीय मंदिर परिसर में भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारी नेताओं, पदाधिकारियों, सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विभागाध्यक्ष श्री ईशम सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री ज्ञानेंद्र कुमार मौर्य, अधीक्षण अभियंता, इंदिरा भवन-जवाहर भवन कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पांडेय, कार्यवाहक महामंत्री सुशील कुमार बच्चा, उपाध्यक्ष बबलू, मीडिया प्रभारी संजीव त्रिपाठी, सूरज कुमार, अभिनव त्रिपाठी, उमंग निगम सहित महासंघ एवं विभाग के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने रुद्राभिषेक में शामिल होकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की तथा इसके बाद आयोजित विशाल भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

रुद्राभिषेक के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। विधि-विधान के साथ भगवान शिव का अभिषेक किया गया और श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों और अन्य श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अध्यक्ष आशीष कुमार दीक्षित एवं महामंत्री शिव शंभू सिंह यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दोनों पदाधिकारियों ने विभागीय परिसर के समस्त पदाधिकारियों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारीगणों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन आपसी भाईचारे, सौहार्द और एकजुटता को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता सरिता राय एवं मुख्य अभियंता रविकांत वर्मा सहित विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने मिलकर धार्मिक आयोजन को सफल बनाया और भंडारे में प्रसाद वितरण में सहयोग किया। आयोजकों ने कहा कि भगवान शिव के रुद्राभिषेक एवं भंडारे का उद्देश्य विभागीय परिवार में सुख-शांति, आपसी सद्भाव एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन के सफल एवं शांतिपूर्ण संपन्न होने पर प्रसन्नता जताई गई।

कासिमपुर में श्रीमद्भागवत कथा व विशाल यज्ञ के बाद भव्य भंडारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

..पूर्णाहुति, राम जन्मोत्सव और कन्या पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद, ब्लॉक प्रमुख व नगर पंचायत अध्यक्ष सहित गणमान्य लोग रहे मौजूद।

गोसाईगंज, लखनऊ। कासिमपुर स्थित श्री झारखंडेश्वर बाबा धाम मंदिर परिसर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों के क्रम में विशाल यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत माहौल देखने को मिला। श्रीमद्भागवत कथा एवं धार्मिक अनुष्ठानों के समापन के बाद रात में भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। राम जन्मोत्सव के उपरांत विधि-विधान से कन्या पूजन संपन्न कराया गया। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद रात करीब 12 बजे से मंदिर परिसर में विशाल प्रसाद वितरण एवं भव्य भंडारे का आयोजन शुरू हुआ, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं और शिव भक्तों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर गोसाईगंज के ब्लॉक प्रमुख विनय वर्मा, गोसाईगंज नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल मिश्रा सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग श्री झारखंडेश्वर बाबा धाम पहुंचे और धार्मिक आयोजन में सहभागिता करते हुए प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर में देर रात तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और पूरा वातावरण भगवान शिव व श्रीराम के जयकारों से भक्तिमय बना रहा। शिव शक्ति परिवार एवं आसपास के गांवों के शिव भक्तों द्वारा श्री झारखंडेश्वर बाबा धाम में प्रतिवर्ष बड़े हर्ष और उल्लास के साथ भव्य भंडारे का आयोजन किया जाता है। आयोजकों ने बताया कि धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता के इस आयोजन में क्षेत्र के लोगों का लगातार सहयोग मिलता है। भंडारे में सभी श्रद्धालुओं ने एक साथ प्रसाद ग्रहण कर आपसी भाईचारे और धार्मिक एकता का संदेश दिया। आयोजन के सफल संपन्न होने पर श्रद्धालुओं ने शिव शक्ति परिवार और सभी सहयोगियों की सराहना की।

तेंदुए के हमले में करीब 100 भेड़ों की मौत, दो परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गैसड़ी/बलरामपुर। नगर पंचायत गैसड़ी क्षेत्र के खदगौरा में तेंदुए के हमले से श्री कन्हैया पाल एवं उनके भाई की करीब 100 भेड़ों के मारे जाने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना से दोनों परिवारों के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। भेड़ पालन ही परिवारों की आय का प्रमुख साधन बताया जा रहा है। बड़ी संख्या में पशुओं की मौत से परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि खदगौरा क्षेत्र में तेंदुए ने भेड़ों के झुंड पर हमला कर दिया, जिसमें करीब 100 भेड़ों के मारे जाने की बात सामने आई है। घटना के बाद पीड़ित परिवारों में मातम का माहौल है। पशुधन के रूप में जमा की गई वर्षों की मेहनत एक ही घटना में तबाह हो जाने से परिवारों के सामने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और दैनिक भरण-पोषण तक की चिंता खड़ी हो गई है।

गरीब परिवारों के लिए बड़ा आर्थिक झटका

पीड़ित परिवारों का कहना है कि भेड़ पालन उनके परिवार की आय का प्रमुख जरिया था। बड़ी संख्या में भेड़ों की मौत से उन्हें ऐसा आर्थिक झटका लगा है, जिसकी भरपाई कर पाना उनके लिए बेहद मुश्किल है। अचानक आई इस विपत्ति ने दोनों परिवारों की आर्थिक स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया है।

वन विभाग से मौके पर जांच और मुआवजे की मांग

घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम से मौके पर पहुंचकर घटना की जांच कराने की मांग की है। साथ ही शासन-प्रशासन से नियमानुसार पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की गई है, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिल सके और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई प्रभावित न हो। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में तेंदुए की गतिविधियों की भी निगरानी बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि घटना के बाद लोगों में भय का माहौल है। यदि क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी है तो वन विभाग को तत्काल आवश्यक कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पीड़ित परिवारों ने शासन-प्रशासन से संवेदनशीलता के साथ मामले का संज्ञान लेकर तत्काल स्थलीय जांच, नुकसान का आकलन और नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है।

दबंगों ने आटो चालक पर किया कातिलाना हमला, होटल में तोड़फ़ोड़

पीजीआई/ लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने आटो चालक पर जानलेवा हमला कर दिया।आटो चालक को पिटता देख बचाने आए लोगों पर भी दबंगों ने कहर बरसा दिया। मिली सूचना के आधार पर जय शंकर पाल जनपद रायबरेली के सरेनी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।राजधानी में आटो चला कर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं।उनके मुताबिक बीते चौदह अगस्त की रात वो खाना खाने के लिये पीजीआई अस्पताल के करीब पाल भोजनालय गये थे।अपना आटो खड़ा कर वो जैसे ही भोजनालय की तरफ बढ़े कि कुलदीप दूबे और रोहित दूबे ने अपने आधा दर्जन साथियों के साथ उन पर हमला बोल दिया।जयशंकर को पिटता देख पाल भोजनालय के मालिक और काम करने वाले नौकर उन्हें बचाने आए लेकिन तैश से भरे हमलावरों ने उन लोगों को भी नहीं बक्सा।होटल मालिक और उनके नौकरों को मारने के बाद दबंगों ने उनके होटल में भी तोड़फोड़ कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गये।पीड़ित जयशंकर ने पीजीआई पुलिस से मामले की शिकायत की।पुलिस ने घटना की छानबीन कर मुकदमा दर्ज कर लिया और आरोपियों की तलाश जारी कर दी है।

राष्ट्रीय सचिव वरुण चौधरी जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों से आज प्रयागराज में मिलेंगे - डॉ नीरज

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी ने जिला व नगर कांग्रेस के पदाधिकारीगण, पूर्व विधानसभा प्रत्याशीगण, एआईसीसी व पीसीसी सदस्य गण एवं समस्त ब्लॉक अध्यक्षगण, नगर अध्यक्षगण, समस्त फ्रंटल,विभाग/प्रकोष्ठ के अध्यक्षगण व समस्त वरिष्ठ कांग्रेस जनों को सूचित किया है कि आज मंगलवार 25 अगस्त को अपराह्न दो बजे से तीन बजे तक प्रयागराज सर्किट हाउस में नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव वरुण चौधरी प्रतापगढ़ कांग्रेस के साथियों से मुलाकात करेंगे। उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में वहां पहुंचने की अपील किया है।

महमूदाबाद कोतवाली में पुलिस के सामने युवक पर ब्लेड से हमला, गर्दन पर वार, ट्रामा सेंटर रेफर

पटाखा दागने को लेकर पड़ोसियों में हुआ था विवाद, समझौते के लिए थाने बुलाए गए थे दोनों पक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

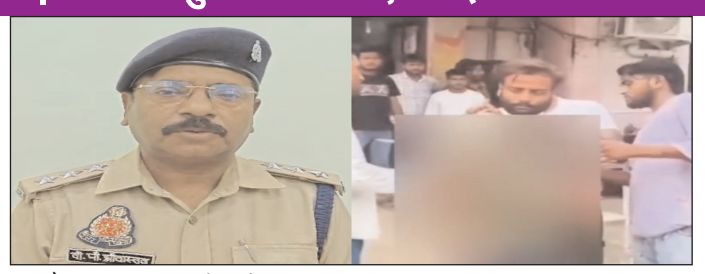

महमूदाबाद मामले को लेकर पुलिस क्षेत्राधिकारी वेदप्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि 23 अगस्त की शाम करीब 7 बजे मोतीपुर निवासी राहुल अपने घर के सामने पटाखे जला रहा था, जिससे पड़ोस की नीलम प्रजापति की पुत्री के कुछ बाल जल गए थे। नीलम द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के संबंध में दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया था। बातचीत के दौरान जब नीलम ने मुकदमा दर्ज कराने की बात कही, तो राहुल प्रजापति ने जेब से छोटा ब्लेड निकालकर अपनी गर्दन पर मार लिया। उसे तत्काल सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से रेफर कर दिया गया है। युवक की हालत सामान्य है और मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

महमूदाबाद- सीतापुर महमूदाबाद कोतवाली परिसर में पुलिस की मौजूदगी के बीच उस समय अफरा-तफरी मच गई जब समझौते के लिए आए दो पक्षों के बीच कहासुनी के दौरान एक युवक पर ब्लेड (धारदार हथियार) से हमला कर दिया गया। हमले में युवक की गर्दन पर गंभीर घाव हुआ है। लहूलुहान हालत में युवक को आनन-फानन में सीएचसी महमूदाबाद ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कस्बा महमूदाबाद के मोहल्ला मोतीपुर निवासी राहुल प्रजापति (25 वर्ष) पुत्र प्रदीप कुमार के घर पर बच्चे की छठी का कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान आतिशबाजी छोड़े जाने पर उसकी चिंगारी/बत्ती पड़ोसी संतराम के घर पर गिर गई। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और गाली-गलौज हुई। अगली सुबह संतराम ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनकी बेटी के साथ मारपीट की गई है। शिकायत मिलने के बाद मोतीपुर चौकी से पुलिसकर्मी राहुल के घर पहुंचे और दोनों पक्षों को मामले के निस्तारण के लिए दोपहर करीब दो बजे कोतवाली बुलाया। घायल राहुल के मुताबिक, दोपहर में दोनों पक्ष परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचे थे। वहां पुलिसकर्मियों के सामने सुलह-समझौते की बातचीत चल रही थी। इसी बीच दोनों पक्षों में फिर से तीखी बहस शुरू हो गई।

आरोप है कि विवाद बढ़ने पर विपक्षी संतराम ने अचानक धारदार ब्लेड निकालकर राहुल की गर्दन और हाथ पर वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। थाना परिसर के अंदर दिनदहाड़े धारदार हथियार से हुए इस जानलेवा हमले के बाद कोतवाली में हड़कंप मच गया। घटना के बाद पीड़ित का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लहूलुहान हालत में न्याय की गुहार लगा रहा है। थाने के भीतर हुई इस वारदात से सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की मुस्तैदी पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस मामले की जांच और विधिक कार्रवाई में जुटी है।

सावन के अंतिम सोमवार पर महमूदाबाद में उमड़ा शिवभक्तों का जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर दिव्य, भव्य और ऐतिहासिक कावड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों का उत्साह धूप व उमस भी कम नहीं कर पाई। धूप में सड़क पर नंगे पैर हजारों की संख्या में शिवभक्तों का जनसमूह पूरे जोश के साथ जयकारे लगाते हुए चल रहा था। महमूदाबाद में इस प्रकार की दिव्य, भव्य, मनोहारी और विशाल शोभायात्रा पहली बार निकली तो लोगों ने स्थान-स्थान पर पुष्पवर्षा करके यात्रा का स्वागत किया। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को बाबा परमहंस धाम बन्नी स्थित सरोवर से जल भरने के साथ विधान सभा कुर्सी के विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा एवं महमूदाबाद की विधायक आशा मौर्या द्वारा पूजन अर्चन के साथ भव्य कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हुआ। सरोवर के जल में गंगाजल मिलाकर कांवड़ियों को आंजनेय आशीष वाजपेयी, संजय मिश्र, अनुज गुप्त, अमित वाजपेयी, पवन शुक्ल, शुभम सहित अन्य लोग कलश वितरित कर रहे थे। केसरिया ध्वज हाथ में थामे युवाओं की टोली भक्ति के गानों पर नाचते-गाते वह बम-बम भोले के जयकारे लगाते हुए चल रही थी। कावड़ यात्रा सुंदौली मोड़, ठाकुरपुर, मोतीपुर चौराहा, रमुवापुर, बेलदारी टोला, रामकुंड चौराहा, बजाजा चौराहा पहुंची। बजाजा चौराहे के निकट समाजसेवी अम्बरीश गुप्त ने कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। यहां से कावड़ यात्रा चिकमंडी चौराहा, तहसील मार्ग होकर मां संकटा देवी धाम पहुंची जहां महाकालेश्वर महादेव मंदिर में स्थापित भगवान नर्मदेश्वर शिवलिंग का जलाभिषेक कर भक्तों द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। कावड़ियों के लिये प्रसाद की व्यवस्था विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा के द्वारा की गयी। कांवड़ यात्रा में सीता ग्रुप आफ एजूकेशन के चेयरमैन आरके वाजपेयी, पूर्व चेयरमैन सुरेश वर्मा, मोहन प्रसाद बारी, अंकुश राज विश्वकर्मा, शिवदास पुरवार, कृतार्थ मिश्र, अतुल चित्रांश, जितिन तिवारी, विजय तोमर, अनिल शुक्ल, कमलेश राजपूत, अम्बरीश वर्मा, रवि अवस्थी, किरन वाजपेयी, करूणा, पूनम वर्मा, कामिनी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण सशक्त नारी, सुरक्षित समाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर। इनर व्हील क्लब बिसवां एवं आईडब्ल्यूसी उड़ान के संयुक्त तत्वावधान में कृष्णा देवी म्युनिसिपल गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को विषम परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा करने के लिए विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षकों ने आत्मविश्वास, सतर्कता एवं साहस के महत्व को समझाया। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण में भाग लिया और सीखी गई तकनीकों का अभ्यास किया। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं सशक्त बनाना तथा उन्हें किसी भी चुनौती का दृढ़ता से सामना करने के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम अत्यंत प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक रहा। आईडब्ल्यूसी बिस्वां की अध्यक्षा सुनीता अग्रवाल जी, सचिव निधि सिंघल जी, कॉर्डिनेटर रेनू मेहरोत्रा जी के साथ साथ संस्था के सम्मानित सदस्य मीरा सिंघल जी,कुसुम कपूर जी,एकता गुप्ता जी,पल्लवी जलोटा, तुलसी गुप्ता इत्यादि उपस्थित रहे। उड़ान क्लब से अध्यक्ष शालिनी गुप्ता, सचिव आरती मौर्या, सीमा रस्तोगी,मीनू, नमृता गुप्ता एवं सीमा शुक्ला उपस्थित रहे। कॉलेज की प्रधानाचार्य जी का पूरा सहयोग रहा।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, तीन घायल, एक जिला अस्पताल रेफर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां, सीतापुर कोतवाली क्षेत्र के बिसवां-रेउसा मार्ग पर प्रधान ढाबे के सामने सोमवार को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, बिसवां की ओर से जा रही बाइक पर वैभव रस्तोगी पुत्र रमेश रस्तोगी निवासी मोहल्ला बदालपुरवा तथा मौसम रस्तोगी पुत्र चुन्नीलाल निवासी मोहल्ला पटेल नगर सवार थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही बाइक पर सवार आयुष पुत्र राजमोहन वर्मा निवासी ग्राम लकवाबोझी की बाइक से उनकी भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी। हादसे में बाइक सवार तीनों लोग घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां पहुंचाया। सीएचसी में चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। आयुष की हालत नाजुक होने पर उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं अन्य दोनों घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया।

कार्यालय, नगर पालिका परिषद टूण्डला, (फिरोजाबाद)

पत्रांक: 383/2026-27/न0पा0प0टूण्डला दिनांक- 22-08-2026

सार्वजनिक सूचना

पालिका द्वारा 10 स्थानों पर यूनिकपोल लगाकर विज्ञापन प्रदर्शित करने हेतु इच्छुक ठेकेदारों/फर्मों से मुहरबन्द बोली/प्रस्ताव दिनांक 01.01.2026 को नीलामी न होने की दशा में पुनः नीलामी बोली दिनांक 0.1.1.1-20.2.6 आमंत्रित किये जाते है। विज्ञापन शुल्क की न्यूनतम धनराशि रू0 225000.00 प्रतिवर्ष नियत की गई है, उक्त विज्ञापन की नीलामी 10 वर्ष हेतु की जायेगी, ठेकेदार एंव फर्म को स्वय के खर्चे पर यूनिकपोल, स्वागतद्वार आदि की स्थापना व संचालन रखरखाव करना होगा, पालिका इसके लिये कोई धनराशि व्यय नही करेगी। उच्चतम प्रस्ताव बोली की धनराशि प्रतिवर्ष के लिये प्राप्त की जायेगी, जो ठेकेदार को प्रत्येक वर्ष अनुबन्ध के अनुसार सम्पूर्ण धनराशि जमा करनी होगी। पालिका द्वारा स्वीकृत बोली की धनराशि के प्रत्येक 04 वर्ष में 10 प्रतिशत वृद्धि की जायेगी, जो ठेकेदार को जमा करनी होगी। किसी बोली/प्रस्ताव की स्वीकृति/अस्वीकृति का अधिकार अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष नगर पालिका परिशद टूण्डला में निहित होगा। बोली/प्रस्ताव के साथ रू0 50000.00 की एफ0डी0 आर0/एन0एस0सी0 नगद रसीद संलग्न कराना अनिवार्य होगा। ठेकेदार / फर्मों को आयकर/जी0एस0टी0 चरित्र प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र बोली/प्रस्ताव के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा, विस्तृत नियम व शर्तों की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, टूण्डला
फिरोजाबाद।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, टूण्डला
फिरोजाबाद।

संपादकीय

क्यों नहीं पढ़ रहे हैं? रुचि नहीं या हालात ने रोक दी राह

8.7 करोड़ युवाओं की कहानी में छिपे हैं कई सवाल

भारत दुनिया के सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। ऐसे में युवाओं की शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास केवल सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के आर्थिक भविष्य से जुड़ा सवाल है। नीति आयोग की नई रिपोर्ट 'रीइमैजिनिंग स्किलिंग फॉर विकसित भारत @2047' में सामने आया आंकड़ा इसी चिंता को गहरा करता है। रिपोर्ट के मुताबिक 15 से 29 वर्ष की उम्र के करीब 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न नौकरी में हैं और न ही किसी तरह की ट्रेनिंग ले रहे हैं। यह संख्या रिपोर्ट में शामिल कुल आबादी का करीब 11 प्रतिशत है। हालांकि इसमें नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को शामिल नहीं किया गया है। इस आंकड़े को केवल बेरोजगारी के नजरिए से देखना आसान है, लेकिन इसके पीछे की वास्तविकता कहीं अधिक जटिल है। सवाल यह नहीं है कि 8.7 करोड़ युवा पढ़ाई क्यों नहीं कर रहे या नौकरी से क्यों दूर हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या वे पढ़ना ही नहीं चाहते, या उनके सामने ऐसी परिस्थितियां हैं जिनके कारण पढ़ाई जारी रखना संभव नहीं है? क्या परिवार उन्हें शिक्षा दिलाने में रुचि नहीं रखते, या आर्थिक और सामाजिक मजबूरियां उन्हें कम उम्र में ही दूसरी जिम्मेदारियों की ओर धकेल देती हैं? इन सवालों का जवाब खोजे बिना भारत के कौशल विकास और विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करना मुश्किल होगा। रिपोर्ट के मुताबिक इस समूह के करीब 88 प्रतिशत लोग घरेलू कामों में लगे हैं। इसका अर्थ यह नहीं लगाया जा सकता कि ये युवा कोई काम नहीं कर रहे। खासकर घरों में जिम्मेदारियां निभाने वाले युवाओं का श्रम अक्सर औपचारिक अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में दिखाई नहीं देता। खाना बनाना, छोटे भाई-बहनों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, घर के दूसरे काम और परिवार की जिम्मेदारियां निभाना भी काम है, लेकिन इसके बदले उन्हें न वेतन मिलता है और न ही रोजगार का अनुभव प्रमाणित होता है। यही कारण है कि ऐसे युवाओं की स्थिति को केवल 'काम नहीं करने वाले' वर्ग के रूप में देखना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा। इस तस्वीर में महिलाओं की स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। घरेलू जिम्मेदारियां, सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन की कमी, रोजगार के अवसरों तक सीमित पहुंच और सामाजिक अपेक्षाएं युवतियों की शिक्षा तथा रोजगार के रास्ते में बड़ी बाधाएं बन सकती हैं। कई परिवारों में लड़कों की पढ़ाई को भविष्य में कमाई से जोड़कर देखा जाता है, जबकि लड़कियों से घरेलू जिम्मेदारियां संभालने की अपेक्षा की जाती है। परिणाम यह होता है कि पढ़ाई बीच में छूट जाती है और कौशल प्रशिक्षण का अवसर भी नहीं मिल पाता। लेकिन समस्या केवल लड़कियों तक सीमित नहीं है। गरीब और निम्न आय वाले परिवारों में लड़कों के सामने भी पढ़ाई छोड़कर कमाने की मजबूरी हो सकती है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर हो तो किशोर या युवा से उम्मीद की जाती है कि वह दुकान, कारखाने, खेत, निर्माण स्थल या किसी छोटे व्यवसाय में हाथ बंटाए। ऐसे में पढ़ाई परिवार के लिए तत्काल जरूरत के सामने पीछे चली जाती है। परिवार यह सोच सकता है कि आज की कमाई ज्यादा जरूरी है, जबकि शिक्षा का लाभ कई साल बाद मिलेगा। यही सोच अनेक युवाओं को औपचारिक शिक्षा से दूर कर देती है। यह भी मानना गलत होगा कि हर युवा पढ़ाई से इसलिए दूर है क्योंकि उसकी पढ़ाई में रुचि नहीं है। शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी परेशानियां भी इसके पीछे हो सकती हैं। किसी विद्यार्थी को विषय कठिन लग सकता है, स्कूल या कॉलेज की दूरी अधिक हो सकती है, पढ़ाई का खर्च परिवार की क्षमता से बाहर हो सकता है या उसे पढ़ाई के बाद रोजगार मिलने का भरोसा न हो। यदि किसी युवा को यह दिखाई देता है कि उसके आसपास पढ़े-लिखे लोग भी नौकरी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो उसके मन में शिक्षा की उपयोगिता को लेकर सवाल पैदा होना स्वाभाविक है। माता-पिता की भूमिका भी यहां निर्णायक है। कई परिवार शिक्षा का महत्व समझते हैं, लेकिन आर्थिक परिस्थितियों के कारण बच्चों को लगातार पढ़ा नहीं पाते। दूसरी ओर कुछ परिवारों में शिक्षा को लेकर जागरूकता की कमी भी हो सकती है। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में कई अभिभावकों को यह जानकारी नहीं होती कि सामान्य शिक्षा के साथ कौन-कौन से कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध हैं और उनसे रोजगार के कौन से रास्ते खुल सकते हैं। यदि परिवार को शिक्षा और कौशल को भविष्य की आय से जोड़कर समझाया जाए, तो बच्चों की पढ़ाई जारी रखने की संभावना बढ़ सकती है। एक और महत्वपूर्ण कारण शिक्षा और रोजगार के बीच का अंतर है। केवल डिग्री हासिल करना और रोजगार योग्य कौशल प्राप्त करना एक ही बात नहीं है। आज के रोजगार बाजार में तकनीकी ज्ञान, डिजिटल क्षमता, संवाद कौशल, व्यावसायिक प्रशिक्षण और व्यावहारिक अनुभव की जरूरत बढ़ रही है। यदि शिक्षा व्यवस्था इन जरूरतों से जुड़ नहीं पाती, तो युवा पढ़ाई पूरी करने के बाद भी रोजगार के लिए तैयार नहीं होता। ऐसी स्थिति में परिवारों के बीच यह धारणा मजबूत हो सकती है कि पढ़ाई पर वर्षों खर्च करने के बजाय कोई काम सीखना ज्यादा उपयोगी है। यही कारण है कि कौशल विकास को केवल प्रशिक्षण केंद्र खोलने तक सीमित नहीं रखा जा सकता। उन युवाओं तक पहुंचना होगा जो पहले ही शिक्षा व्यवस्था से बाहर हो चुके हैं। उनके लिए लचीली शिक्षा, स्थानीय स्तर पर कौशल प्रशिक्षण, डिजिटल शिक्षा, अप्रेंटिसशिप और रोजगार से जुड़े प्रशिक्षण के अवसर बढ़ाने होंगे। प्रशिक्षण ऐसा होना चाहिए जिससे युवा यह समझ सके कि उसे सीखने के बाद वास्तविक रोजगार या आय का रास्ता कैसे मिलेगा। साथ ही, घरेलू काम में लगे युवाओं की स्थिति को भी नीतियों में पर्याप्त महत्व देना होगा। यदि कोई युवा लंबे समय से परिवार की जिम्मेदारियां निभा रहा है, तो उसके लिए नियमित कॉलेज जाना संभव नहीं हो सकता। ऐसे युवाओं के लिए घर के आसपास या डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण, कम अवधि के पाठ्यक्रम और स्थानीय रोजगार के अवसर उपयोगी हो सकते हैं।

महिलाओं के लिए सुरक्षित परिवहन, छात्रावास, बाल देखभाल जैसी सुविधाएं भी शिक्षा और रोजगार की राह आसान कर सकती हैं।

कांतिलाल मांडोत

कानून व्यवस्था के नए मानक गढ़ता भयमुक्त सुरक्षित उत्तर प्रदेश

(आदर अदीब पावेल बन्धु)
जिला सूचना अधिकारी

प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले 9.5 वर्षों में कानून व्यवस्था के क्षेत्र में व्यापक और ऐतिहासिक परिवर्तन देखने को मिला है। वर्ष 2017 में शुरू हुई सुशासन और जीरो टॉलरेंस की नीति ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को नई दिशा दी। अपराध और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, पुलिसिंग के आधुनिकीकरण, तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल, त्वरित न्याय, महिला सुरक्षा और साइबर अपराध नियंत्रण के लिए किए गए प्रयासों ने उत्तर प्रदेश को भयमुक्त और सुरक्षित प्रदेश बनाने की दिशा में मजबूत आधार प्रदान किया है। इन 9.5 वर्षों की उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि जब शासन की प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान हो तो कानून व्यवस्था में व्यापक बदलाव संभव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ता संभालने के बाद स्पष्ट किया कि प्रदेश में कानून का राज सर्वोपरि होगा और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। इसी नीति के तहत पुलिस व्यवस्था को मजबूत किया गया और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की गई। वहीं, सात बड़े महानगरों में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू होने से पुलिसिंग अधिक प्रभावी हुई तथा जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण और अपराध नियंत्रण में गुणात्मक सुधार आया। इन 9.5 वर्षों में प्रदेश में सांप्रदायिक सौहार्द और सामाजिक शांति को भी मजबूती मिली है। वर्ष 2017 से अब तक सांप्रदायिक दंगा या जातिगत संघर्ष की कोई घटना नहीं हुई। यह उपलब्धि बताती है कि सरकार ने कानून व्यवस्था के साथ सामाजिक समरसता और शांति को भी समान प्राथमिकता दी है। इस दौरान दुर्दांत अपराधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की गई। अब तक 303 अपराधी मुठभेड़ में मारे गए तथा 12,202 घायल हुए। 23,601 इनामी अपराधियों को जेल भेजा गया। 87,835 अपराधियों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट तथा 995 अपराधियों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई। गैंगस्टर एक्ट के तहत 152 अरब 33 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की चल-अचल अवैध संपत्तियों का जब्तीकरण किया गया। चिन्हित माफिया और उनके गिरोह के सदस्यों तथा सहयोगियों के विरुद्ध भी सरकार ने निर्णायक कार्रवाई की। 1,494 लोगों के विरुद्ध 909 अभियोग पंजीकृत किए गए और 651 गिरफ्तारियां हुईं। 18 के विरुद्ध एनएसए तथा 802 के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। माफिया और अपराधियों द्वारा अवैध रूप से अर्जित 4,309 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। इस कार्रवाई ने अपराध की समानांतर अर्थव्यवस्था पर प्रभावी प्रहार किया और अपराधियों के आर्थिक साम्राज्य को कमजोर किया। अपराध नियंत्रण की सफलता केवल कार्रवाई के आंकड़ों में नहीं अपितु अपराधों में आई कमी में भी दिखाई देती है। वर्ष 2016 की तुलना में डकैती में 84.75 प्रतिशत, लूट में 82.75 प्रतिशत, हत्या में 44.75 प्रतिशत, बलवा में 70.23 प्रतिशत, फिरौती के लिए अपहरण में 62.07 प्रतिशत, दहेज हत्या में 21.36 प्रतिशत तथा बलात्कार की घटनाओं में 58.17 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। ये आंकड़े पिछले 9.5 वर्षों में कानून व्यवस्था में आए सकारात्मक बदलाव को स्पष्ट रूप से रेखांकित करते हैं। महिला सुरक्षा को सरकार ने विशेष प्राथमिकता दी है। प्रदेश में सात नए महिला थाने, 78 महिला पुलिस चौकी परामर्श केंद्र तथा बड़ी संख्या में नए थाने और पुलिस चौकियां स्थापित की गई हैं। महिलाओं और कमजोर वर्गों के प्रति अपराधों पर त्वरित कार्रवाई के साथ-साथ पुलिस तंत्र को अधिक संवेदनशील बनाया गया है। मानव तस्करी की रोकथाम के लिए 75 एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट थानों में परिवर्तित की गई हैं। आपातकालीन पुलिस सहायता व्यवस्था यूपी-112 को भी पिछले 9.5 वर्षों में अत्याधुनिक बनाया गया है। वर्ष 2017 से 30 जून 2026 तक 7,16,84,344 आपात सहायता इवेंट तैयार कर नागरिकों को सहायता प्रदान की गई। वर्ष 2026 में यूपी-112 का रिस्पांस टाइम घटकर केवल 6 मिनट 11 सेकेंड रह गया। इससे स्पष्ट है कि संकट की घड़ी में नागरिकों तक पुलिस सहायता पहुंचाने की व्यवस्था को लगातार अधिक तेज और प्रभावी बनाया गया है। अपराधियों को गिरफ्तार करने के साथ-साथ उन्हें न्यायालय से सजा दिलाना भी सरकार की प्राथमिकता रही है। इसी उद्देश्य से 'ऑपरेशन कन्विक्शन' चलाया गया। एक जुलाई 2023 से 30 जून 2026 तक 1,48,441 अभियुक्तों को दोषसिद्ध कराया गया। इनमें 105 अभियुक्तों को मृत्युदंड, 12,103 को आजीवन कारावास, 2,301 को 20 वर्ष से अधिक की सजा, 7,389 को 10 से 19 वर्ष तक की सजा और 11,110 अभियुक्तों को पांच से नौ वर्ष तक की सजा दिलाई गई। प्रभावी अभियोजन और मजबूत पैरवी ने न्याय व्यवस्था में आमजन का विश्वास मजबूत किया है। नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध भी पिछले 9.5 वर्षों में व्यापक अभियान चलाया गया। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने 4 अगस्त 2022 से 30 जून 2026 तक 445 अभियोगों में 1,213 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किए गए तथा प्रदेश में 3,98,484 किलोग्राम मादक पदार्थों का डिस्पोजल या विनष्टीकरण कराया गया। नशे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए प्रवर्तन और जागरूकता दोनों स्तरों पर कार्य किया गया है। आतंकवाद और संगठित अपराध के विरुद्ध भी प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया। एंटी टेररिस्ट स्क्वायड के ढांचे का विस्तार करते हुए गाजियाबाद, अयोध्या और लखनऊ में स्पॉट का गठन, 18 फील्ड यूनिट और 11 ऑप्स टीम स्थापित की गईं। वर्ष 2017 से 30 जून 2026 तक पुरस्कार घोषित अपराधियों सहित विभिन्न मामलों में बड़ी संख्या में अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। आतंकवादी गतिविधियों तथा संदिग्ध नेटवर्क से जुड़े लोगों के विरुद्ध भी प्रभावी कार्रवाई की गई। भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति भी कानून व्यवस्था की समग्र अवधारणा का हिस्सा बनी।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन की आठ नई इकाइयों की स्थापना की गई। वर्ष 2017 से 3 जुलाई 2026 तक विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध 1,139 सफल ट्रैप तथा 2,169 सफल ट्रैप मामलों में कार्रवाई की गई। इससे सरकारी व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूती मिली। साइबर अपराध आज की सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौतियों में शामिल है। पिछले 9.5 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने इस क्षेत्र में भी मजबूत आधारभूत ढांचा तैयार किया है। सभी 75 जिलों में साइबर क्राइम थाने सक्रिय हैं और सभी जनपदीय थानों में साइबर हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। मार्च 2026 में उत्तर प्रदेश साइबर लियन में 37.2 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ देश में प्रथम स्थान पर रहा। 30 अगस्त 2019 से 30 जून 2026 तक राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल और हेल्पलाइन 1930 के माध्यम से लगभग 874 करोड़ 58 लाख रुपये से अधिक की धनराशि फ्रीज कराई गई। साइबर धोखाधड़ी से ठगी गई राशि में से 415.08 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि बरामद की गई। साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 1,11,504 पुलिसकर्मियों को Cy-Train पोर्टल के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। साइबर कमांडो के प्रशिक्षण और तैनाती की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। तकनीक और पुलिसिंग के इस समन्वय ने उत्तर प्रदेश पुलिस को आधुनिक अपराधों से निपटने के लिए अधिक सक्षम बनाया है। सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी उत्तर प्रदेश पुलिस ने अभिनव पहल की है। महाकुंभ-2025 में स्थापित आईसीसीसी एवं यूपी पुलिस के सोशल मीडिया सेंटर को मेटा सुसाइड अलर्ट की अभिनव पहल के लिए वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित 'स्कॉच अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि दर्शाती है कि उत्तर प्रदेश पुलिस केवल पारंपरिक पुलिसिंग के अलावा आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया का उपयोग कर नागरिकों के जीवन की रक्षा में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है। अवैध धर्मांतरण के विरुद्ध भी कानून के अनुरूप प्रभावी कार्रवाई की गई। उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 के अंतर्गत 27 नवंबर 2020 से 31 मई 2026 तक 1,527 अभियोग पंजीकृत हुए और 3,936 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए। इनमें 1,315 अभियोगों में आरोप पत्र दाखिल किए गए। इसी प्रकार मानव तस्करी, मादक पदार्थों और संगठित अपराध के विरुद्ध लगातार कार्रवाई कर सुरक्षित सामाजिक वातावरण तैयार किया गया है। पुलिस कर्मियों के कल्याण को भी सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार माना है। अक्टूबर 2025 से जुलाई 2026 तक विभिन्न संस्थानों के साथ हुए समझौतों के माध्यम से हेल्थ कैंपों का आयोजन कर 63,943 पुलिस परिवारों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। प्रशिक्षित, स्वस्थ और आधुनिक संसाधनों से लैस पुलिस बल ही नागरिकों की सुरक्षा को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित कर सकता है। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था में आए बदलाव को राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली है। एनसीआरबी-2023 के अनुसार उत्तर प्रदेश की दोषसिद्धि दर 87.8 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुनी है। यह मजबूत अभियोजन, प्रभावी पैरवी और अपराधियों को न्यायालय से सजा दिलाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पिछले 9.5 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने भय और असुरक्षा की छवि से निकलकर विश्वास और सुरक्षा की नई पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक सुरक्षित वातावरण में जीवन जी सके। व्यापारी निर्भय होकर कारोबार कर सके, महिलाएं सम्मान और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें, युवा सुरक्षित वातावरण में अपने सपनों को साकार कर सकें और समाज का कमजोर वर्ग न्याय के लिए स्वयं को अकेला न महसूस करे।

असली घटनाओं पर पर्दा और फर्जी मुकदमों की बाढ़: थाने कब बनेंगे न्याय के केंद्र?

कानून-व्यवस्था किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद होती है। आम नागरिक जब किसी अपराध, विवाद या अन्याय का शिकार होता है तो उसकी पहली उम्मीद पुलिस और थाने से होती है। थाना उसके लिए न्याय की पहली चौखट होना चाहिए। लेकिन जब इसी चौखट पर शिकायत दर्ज कराने से लेकर कार्रवाई तक सवाल खड़े होने लगें, तो आम आदमी के मन में व्यवस्था के प्रति भरोसा कमजोर पड़ने लगता है। आज सबसे गंभीर सवाल यह है कि क्या वास्तविक घटनाओं की निष्पक्ष जांच के बजाय कई बार मुकदमों की संख्या और कागजी कार्रवाई को ही सफलता का पैमाना माना जाने लगा है? यदि किसी निर्दोष व्यक्ति को दबाव, विवाद, राजनीतिक प्रभाव या निजी रंजिश के चलते मुकदमे में घसीट दिया जाए और दूसरी ओर वास्तविक घटना पर प्रभावी कार्रवाई न हो, तो यह केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं, बल्कि कानून के शासन की मूल भावना पर चोट है। कई मामलों में शिकायतकर्ता की सबसे बड़ी परेशानी यह होती है कि उसकी बात सुनी ही नहीं जाती या उसकी शिकायत को गंभीरता से लेने में टालमटोल होती है। दूसरी ओर प्रभावशाली व्यक्ति अपनी पहुंच और दबाव के माध्यम से घटनाक्रम को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश करता है। यदि पुलिस की प्रारंभिक जांच निष्पक्ष न हो तो वास्तविक घटना धीरे-धीरे पीछे छूट जाती है और कागजों में एक दूसरी कहानी तैयार हो जाती है। यही स्थिति आगे चलकर विवाद को और जटिल बनाती है। पुलिस के पास जांच, साक्ष्य जुटाने और दोनों पक्षों को सुनने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसलिए किसी भी मामले में केवल शिकायत के आधार पर व्यक्ति को दोषी मान लेना या प्रभावशाली पक्ष के दबाव में कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं हो सकता। किसी निर्दोष व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज होना अपने आप में एक बड़ी परेशानी है। अदालतों के चक्कर, तारीखें, वकील की फीस, सामाजिक बदनामी और मानसिक तनाव—इन सबका बोझ उस व्यक्ति और उसके परिवार को उठाना पड़ता है। मुकदमा अंततः झूठा साबित हो जाए, तब भी वर्षों का समय वापस नहीं आता। यही कारण है कि झूठे और दुर्भावनापूर्ण मुकदमों की समस्या को केवल कानूनी विवाद मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किसी पर मुकदमा लगाना आसान और उसे झेलना कठिन हो जाए, तो व्यवस्था में संतुलन की आवश्यकता स्पष्ट दिखाई देती है। थाने में भ्रष्टाचार की शिकायतें क्यों उठती हैं? पुलिस व्यवस्था में भ्रष्टाचार का सवाल नया नहीं है। रिश्वत, सिफारिश, राजनीतिक दबाव और प्रभावशाली लोगों के हस्तक्षेप जैसी शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हालांकि हर पुलिसकर्मी को भ्रष्ट कहना भी उचित नहीं होगा। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी कठिन परिस्थितियों में ईमानदारी से काम करते हैं। लेकिन जहां शिकायतों पर कार्रवाई पैसे या पहुंच से प्रभावित होने लगे, वहां जनता का भरोसा टूटता है। थाने को किसी व्यक्ति की आर्थिक या राजनीतिक हैसियत देखकर नहीं, बल्कि कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर काम करना चाहिए। कानून की नजर में गरीब और प्रभावशाली के बीच अंतर दिखाई देने लगे तो कानून का राज कमजोर पड़ता है। किसी मामले में एफआईआर दर्ज होना ही न्याय नहीं है और न ही किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी जांच की अंतिम सफलता। असली परीक्षा निष्पक्ष जांच की है। घटना के साक्ष्य जुटाना, गवाहों के बयान दर्ज करना, सीसीटीवी और डिजिटल प्रमाणों की जांच करना, दोनों पक्षों की बात सुनना और तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष तक पहुंचना—यही पुलिस जांच की वास्तविक कसौटी होनी चाहिए। यदि जांच मजबूत होगी तो झूठे मुकदमों की गुंजाइश कम होगी और वास्तविक अपराधियों तक पहुंचना आसान होगा। राजनीतिक और सामाजिक दबाव से मुक्त पुलिस जरूरी है। पुलिस पर राजनीतिक या सामाजिक दबाव की चर्चा अक्सर होती है। लोकतंत्र में निर्वाचित सरकार और प्रशासन के बीच समन्वय जरूरी है, लेकिन कानून लागू करने वाली संस्था की निष्पक्षता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि पुलिसकर्मी को यह डर हो कि किसी प्रभावशाली व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई करने पर उसका तबादला या विभागीय परेशानी हो सकती है, तो स्वतंत्र जांच प्रभावित हो सकती है। इसलिए पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और पेशेवर स्वतंत्रता को मजबूत करना समय की मांग है। सुधार की शुरुआत थाने से होनी चाहिए थाने में शिकायत की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हो। शिकायतकर्ता को उसकी शिकायत की स्थिति की जानकारी मिले। जांच की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की प्रभावी व्यवस्था हो। झूठी शिकायत या दुर्भावनापूर्ण मुकदमे के मामलों में भी कानून के अनुसार जिम्मेदारी तय हो। साथ ही पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण में कानूनी अधिकारों, मानवाधिकारों, डिजिटल साक्ष्यों और निष्पक्ष जांच पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। तकनीक का इस्तेमाल भी पारदर्शिता बढ़ाने में किया जा सकता है। शिकायतों और जांच की डिजिटल ट्रैकिंग, सीसीटीवी की निगरानी और रिकॉर्ड की सुरक्षित व्यवस्था भ्रष्टाचार तथा मनमानी की संभावनाओं को कम कर सकती है। जनता का भरोसा ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है पुलिस और जनता के बीच संबंध केवल कानून लागू करने वाले और कानून मानने वाले का नहीं होना चाहिए। पुलिस जनता की सुरक्षा के लिए है और जनता का विश्वास उसकी सबसे बड़ी ताकत है। जब कोई पीड़ित थाने पहुंचे तो उसे यह भरोसा होना चाहिए कि उसकी बात सुनी जाएगी। उसे यह डर नहीं होना चाहिए कि उसकी शिकायत के बजाय उसी के खिलाफ कोई मामला खड़ा कर दिया जाएगा। लोकतंत्र में कानून का अर्थ केवल अपराधी को सजा देना नहीं, बल्कि निर्दोष की रक्षा करना भी है।

राजीव शुक्ला -(संपादक)

मेष: आज कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। आपकी मेहनत और आत्मविश्वास से काम आगे बढ़ेंगे। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं, लेकिन बड़े निवेश में जल्दबाजी से बचें। परिवार में सहयोग मिलेगा।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए दिन अच्छा है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। कार्यक्षेत्र में धीरे-धीरे सफलता मिलेगी। परिवार के किसी सदस्य से महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो सकता है।

मिथुन: नई योजनाओं पर काम शुरू करने का अवसर मिलेगा। आपकी बातचीत और समझदारी कार्यक्षेत्र में लाभ दिला सकती है। धन संबंधी फैसले सोच-समझकर लें। जल्दबाजी से नुकसान हो सकता है।

कर्क: आज परिवार और आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी समझदारी की सराहना होगी। किसी को भावनाओं में आकर धन उधार देने से बचें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

सिंह: कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है और नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं। आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे। अपनी बात स्पष्टता से रखें, लेकिन दूसरों की राय का भी सम्मान करें। दिन उत्साहपूर्ण रहेगा।

कन्या: आज आर्थिक मामलों में सावधानी बरतना जरूरी है। बजट बनाकर चलें और अनावश्यक खरीदारी से बचें। कार्यक्षेत्र में अनुशासन और मेहनत से सफलता मिलेगी। पुराने काम पूरे करने पर ध्यान दें।

तुला: भाग्य का साथ मिलने से रुके हुए काम आगे बढ़ सकते हैं। नौकरी और व्यवसाय में प्रगति के अवसर मिलेंगे। सरकारी या महत्वपूर्ण काम में सफलता मिलने के संकेत हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक: आर्थिक मामलों में राहत मिल सकती है। पुराने विवाद या परेशानियां कम होने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में मेहनत का लाभ मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी।

धनु: आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और बड़े लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। नौकरी-व्यवसाय में लाभ के योग हैं। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मकर: सोच-समझकर लिए गए फैसले भविष्य में बड़ा लाभ दे सकते हैं। कार्यक्षेत्र में नई योजना शुरू करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

कुंभ: पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सकारात्मक समाचार मिल सकता है। नई योजनाओं पर काम करने का अवसर मिलेगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा।

मीन: आज आत्मचिंतन और आध्यात्मिक गतिविधियों से मानसिक शांति मिलेगी। पुराने अधूरे काम पूरे करने का प्रयास करें। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। परिवार के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

भ्रष्टाचारी तंत्र व नशा माफिया के गठजोड़ का नतीजा है जहरीली शराब

भारत में अवैध शराब की खपत दुनिया के सबसे बड़े अवैध बाजारों में से एक है कई बार यह अवैध शराब कम पैसे देकर नशा करने के लती गरीब पियक्कड़ों के लिए जानलेवा बन जाती है। जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बनी हुई हैं, जिसमें 'ड्राई स्टेट' शराबबंदी वाले राज्यों से लेकर अन्य राज्यों तक लगातार दुखद घटनाएं सामने आती रहती हैं। ताजा मामला अगस्त 2026 में गुजरात के भावनगर का है, जहां नकली विदेशी शराब के नाम पर बेची गई जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं। आपको पता हो जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है एक गंभीर सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बना हुआ है। ट्रांसनेशनल अलायंस टू कॉम्बैट इलिसिट ट्रेड जैसी संस्थाओं के अनुसार, भारत में अवैध शराब की खपत दुनिया के सबसे बड़े अवैध बाजारों में से एक है। यह न केवल सरकारी राजस्व को भारी चोट पहुँचाता है, बल्कि इसके कारण हर साल सैकड़ों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है।देश भर में आए दिन जहरीली और नकली शराब से होने वाली मौतें अब केवल दुर्घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ये घटनाएं हमारी व्यवस्था, कानून और समाज के सामने एक गंभीर सवाल हैं । कुछ दिन सप्ताह माह के अन्तराल पर देश के किसी न किसी हिस्से से खबर आती है कि नकली शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी, कई अस्पताल पहुंचे और कुछ ने दम तोड़ दिया। प्रशासन सक्रिय होता है, गिरफ्तारियां होती हैं, जांच बैठती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय बाद मामला ठंडे बस्ते में पहुंच जाता है। फिर किसी दूसरे शहर, गांव या राज्य में वही कहानी दोहराई जाती है। सवाल यही है, आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ? आपको बता दें कि ताजा मामला गुजरात के भावनगर जिले का है। गुजरात उन राज्यों में है जहां लंबे समय से शराबबंदी लागू है। इसके बावजूद भावनगर में कथित नकली शराब पीने के बाद कई लोगों की मौत और बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की घटना सामने आई है। स्थानीय प्रशासन ने चार लोगों की मौत की जानकारी दी थी, जबकि अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा था। शुरुआती रिपोर्टों में मौतों की संख्या कम थी, जो बाद में बढ़ी। यह घटना इसलिए भी अधिक गंभीर है, क्योंकि जिस राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध है, वहां नकली शराब लोगों तक पहुंच कैसे रही है? पुलिस की शुरुआती जांच में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम पर डुप्लीकेट शराब बेचे जाने और इसके मध्य प्रदेश से लाए जाने की आशंका सामने आई है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को हिरासत में भी लिया है। लेकिन भावनगर कोई पहली घटना नहीं है।हाल ही में मई माह में महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ त्रासदी इलाकों में जहरीली शराब पीने से 14 से 18 लोगों की जान चली गई। पुलिस जांच के अनुसार, अवैध रूप से अधिक मुनाफा कमाने के लिए इंडस्ट्रियल ग्रेड का घातक मेथनॉल मिक्स किया गया था।मई माह में ही पंजाब के अमृतसर के पांच गांवों में जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हुई थी। गुजरात ने जुलाई 2022 में भी भयावह शराब त्रासदी देखी थी। बोटाद और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब से 42 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उस समय भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, अधिकारियों का तबादला हुआ और अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के दावे किए गए थे। सवाल है कि चार वर्ष बाद भी यदि नकली शराब लोगों तक पहुंच रही है तो पिछली कार्रवाई से हमने आखिर सीखा क्या? यह समस्या केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। पंजाब, बिहार, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्य समय-समय पर ऐसी त्रासदियों के गवाह बने हैं। तमिलनाडु के कालाकुरिची में जून 2024 में मेथेनॉल मिली अवैध शराब ने दर्जनों परिवारों को उजाड़ दिया था। आधिकारिक कार्रवाई के दौरान अवैध शराब जब्त हुई, गिरफ्तारियां हुई और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में भी अवैध एवं नकली शराब के सेवन से होने वाली मौतों को अलग श्रेणी में दर्ज किया जाता है। उपलब्ध एनसीआरबी आधारित डेटा 2012 से 2024 तक राज्य वार ऐसी मौतों का हवाला देता है। इससे इतना तो साफ है कि यह किसी एक राज्य या एक क्षेत्र विशेष की समस्या नहीं, बल्कि दशकों से चली आ रही एक खतरनाक चुनौती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अक्सर इन घटनाओं में मरने वाले लोग समाज के आर्थिक रूप से दुर्बल कमजोर वर्ग से आते हैं। सस्ती शराब की तलाश उन्हें ऐसे अवैध कारोबारियों तक पहुंचा देती है जिन्हें न गुणवत्ता की चिंता होती है, न कानून का भय और न इंसानी जीवन की कीमत का एहसास। अधिक नशा पैदा करने या लागत कम रखने के लिए शराब में मेथेनॉल जैसे जहरीले रसायनों की मिलावट जानलेवा साबित हो सकती है। कल्लाकुरिची मामले में भी मेथेनॉल मिश्रित शराब की पुष्टि सामने आई थी। अधिकतर देखा जाता है कि हर बड़ी आसदी के बाद प्रशासन की एक परिचित तस्वीर सामने आती है। छापेमारी शुरू होती है, अवैध ठिकाने बंद किए जाते हैं, संदिग्ध गिरफ्तार होते हैं और पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा जाता है। लेकिन असली चुनौती घटना के बाद कार्रवाई करने की नहीं, घटना होने से पहले नेटवर्क को समाप्त करने की है। अवैध शराब का कारोबार अकेले किसी गली या गांव में बैठा व्यक्ति नहीं चला सकता। कच्चा माल कहां से आता है? बोतलें कहां बनती हैं? लोकप्रिय कंपनियों के नाम और लेबल की नकल कैसे होती है? माल एक जिले से दूसरे जिले और कई बार एक राज्य से दूसरे राज्य तक कैसे पहुंचता है? परिवहन, भंडारण और बिक्री की जानकारी स्थानीय स्तर पर किसी को क्यों नहीं मिलती? यदि वर्षों तक कारोबार चलता रहता है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही, स्थानीय संरक्षण या भ्रष्ट तंत्र भी इसका रास्ता आसान कर रहा है। शराबबंदी वाले राज्यों के लिए यह समस्या और बड़ी चुनौती है। केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता। यदि वैध बिक्री बंद होने के बाद अवैध बाजार पैदा हो जाए और उसकी निगरानी कमजोर रहे तो तस्करों को अधिक मुनाफे का अवसर मिलता है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से बचाना है, लेकिन यदि उसी व्यवस्था के भीतर जहरीली शराब का संगठित बाजार फलने लगे तो नीति की समीक्षा और क्रियान्वयन दोनों जरूरी हो जाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि शराबबंदी गलत है या शराब की खुली बिक्री समाधान है। असली प्रश्न नीति से अधिक उसके प्रभावी क्रियान्वयन का है। जहां प्रतिबंध है वहां अवैध सप्लाई पर कठोर निगरानी होनी चाहिए और जहां शराब की कानूनी बिक्री है वहां नकली उत्पादों की पहचान और वितरण व्यवस्था पर नियंत्रण मजबूत होना चाहिए। सरकारों को अब प्रत्येक त्रासदी के बाद केवल मुआवजा देने और कुछ लोगों को निलंबित करने से आगे बढ़ना होगा। अवैध शराब के मामलों में सप्लाई चेन की तह तक जांच, औद्योगिक मेथेनॉल की बिक्री और परिवहन की निगरानी, नकली ब्रांड और पैकेजिंग बनाने वालों पर कार्रवाई तथा बार-बार अवैध कारोबार में पकड़े जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है।यह सारा अवैध कारोबार बिना सरकारी तंत्र की मिलीभगत के सम्भव नहीं है स्थानीय पुलिस और आबकारी अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीण और गरीब बस्तियों में जागरूकता बढ़ानी होगी। लोगों को बताया जाना चाहिए कि अनजान स्रोत से खरीदी गई शराब जानलेवा हो सकती है।

संदिग्ध शराब पीने के बाद उल्टी, चक्कर, दृष्टि धुंधली होने वा अन्य परेशानी के मामलों में तुरंत अस्पताल पहुंचना बेहद जरूरी है। कई बार इलाज में देर भी मौतों की संख्या बढ़ा देती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जहरीली शराब से हुई हर मौत को महज एक आंकड़ा समझने की मानसिकता बदलनी होगी। देश में तकनीक बड़ी है, पुलिस के पास आधुनिक संसाधन हैं, राज्यों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान पहले से आसान हुआ है। ऐसे में यह स्वीकार करना मुश्किल है कि अवैध शराब की पेटियां एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचे और व्यवस्था को भनक तक न लगे।

मनोज कुमार अग्रवाल

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

घर में घुसे युवक को किशोरी द्वारा चप्पलों से पीटने का वीडियो वायरल

किशोरी ने गैर धर्म के उक्त युवक के खिलाफ पुलिस को दी तहरीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक किशोरी एक युवक पर दनादन चप्पलें जड़ रही है। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिख रही किशोरी वही है जिसने अपने सगे पिता पर शराब के नशे में जबरन शारीरिक संबंध बनाए जाने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अब इस ताजा घटनाक्रम ने पूरे मामले को एक नया मोड़ दे दिया है। सोमवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक किशोरी सामने खड़े एक युवक पर दनादन चप्पलें जड़ रही है। यह वीडियो नगर के ही एक मोहल्ले का बताया जा रहा है। इसके पीछे जो कहानी बताई जा रही है उसके मुताबिक रविवार की रात करीब 11 बजे एक युवक किशोरी के घर में घुस गया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। किशोरी ने न केवल उसकी इन हरकतों का विरोध किया बल्कि चप्पल उठा कर उसके ऊपर ताबड़तोड़ मारनी शुरू कर दी। इसके साथ ही उसने शोर मचा दिया जिससे मोहल्ले के तमाम लोग मौके पर पहुंच गए और यूपी 112 डायल कर युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। किशोरी ने इस पूरी घटना की लिखित शिकायत भी पुलिस को दे दी है। इस पूरे घटनाक्रम से जुड़ी एक और कहानी है जिस पर सहसा विश्वास नहीं किया जा सकता। वायरल वीडियो में जो किशोरी है उसने शनिवार को थाना समाधान दिवस में पहुंच कर अपने सगे पिता के खिलाफ तहरीर दी थी जिसमें उसने पिता पर शराब के नशे में धुत्त होकर उसके साथ अनैतिक शारीरिक संबंध बनाए जाने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया था। यह खबर मीडिया की सुर्खियां बनने के बाद पुलिस ने पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर भी कर ली है और मामले की जांच में जुट गई। वहीं दो दिन बाद ही सोमवार को इस पूरे मामले में एक नया मोड़ उस समय आ गया जब उक्त किशोरी बीती रात अपने ही घर में मौजूद एक युवक को चप्पल से पीट रही है। पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में किशोरी ने कहा है कि पिछले तीन माह से कस्बे का ही रहने वाला गैर धर्म का नजर खान नामक युवक उसे परेशान कर रहा है। घर में घुसे उक्त युवक के मामले में किशोरी ने पुलिस से कार्रवाई किए जाने की मांग की है। बहरहाल, इन दोनों कहानियों के बीच क्या कनेक्शन हो सकता है इस एंगल पर पुलिस आपस में सभी कड़ियों को जोड़कर पूरे मामले की गहनता से जांच करने में जुट गई है।

रामलीला के 174वें महोत्सव के लिए राजीव पटेल अध्यक्ष और शैलेश सोनी बने मंत्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कोंच की विश्व प्रसिद्ध रामलीला के 174वें महोत्सव को सानंद संपन्न कराने के लिए सोमवार को रामलीला समिति के अध्यक्ष और मंत्री का प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव गल्ला मंडी स्थित शंकरजी के मंदिर पर संपन्न हुआ जिसमें राजीव पटेल बॉबी पचीपुरा अध्यक्ष एवं शैलेष सोनी मंत्री मनोनीत किए गए। अन्य पदाधिकारियों का बाद में रामलीला समिति और धर्मादा कमेटी मनोनयन करेंगे। गल्ला व्यापारियों की सबसे बड़ी संस्था धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित कोंच की ऐतिहासिक और विश्व विख्यात रामलीला के आगामी 5 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहे 174वें महोत्सव को सकुशल संपन्न कराने के लिए सोमवार को रामलीला समिति के अध्यक्ष और मंत्री का चुनाव किया गया। गल्ला मंडी स्थित शंकरजी के मंदिर पर धर्मादा रक्षिणी सभा के अध्यक्ष विजय गुप्ता भोले की अध्यक्षता और मंत्री विनोद दुबे लौना के संचालन में सम्पन्न हुई। चुनाव लड़ने के इच्छुक लोगों से 23 अगस्त तक आवेदन मांगे गए थे जिसमें तीन जोड़ा आवेदन राजीव पटेल व शैलेष सोनी, अरुण कुमार गुप्ता व आशुतोष रावत एवं संतोष निरंजन व ऋषभ गिरवासिया के क्रमशः अध्यक्ष और मंत्री पदों के लिये संयुक्त रूप से आये थे। धर्मादा कमेटी के स्वविवेक से हुए इस चुनाव में अध्यक्ष पद पर राजीव पटेल बॉबी पचीपुरा और मंत्री पद पर शैलेष सोनी का मनोनयन कर दिया गया। इसकी घोषणा धर्मादा अध्यक्ष द्वारा की गई। बताया गया कि शेष कार्यकारिणी का गठन रामलीला समिति और धर्मादा कमेटी आपसी सामंजस्य से तय करेंगे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष बॉबी ने सभी गल्ला व्यापारियों और रामलीला प्रेमियों से अनुरोध किया है कि रामसेवा का जो गुरुतर भार उन्हें सौंपा गया है उसमें सभी का सहयोग अपेक्षित है। इस दौरान धर्मादा रक्षिणी सभा के अध्यक्ष विजय गुप्ता भोले, मंत्री विनोद दुबे लौना, चंद्रशेखर लोहिया, राममोहन रिछारिया, दीनू गुप्ता, अंशुल मिश्रा, ध्रुवप्रताप सिंह, जय मुखिया, राजकुमार छुन्ना धनौरा, लालजी कुशवाहा, हरिश्चंद्र तिवारी, अभिषेक रिछारिया, अतुल चतुर्वेदी, राहुल तिवारी, विजल अग्रवाल रोहन, अरविंद मिश्रा, जगदीश प्रसाद राठौर, सतीश राठौर, दिनेश खिल्ली वाले, अखिलेश बबेले, जीतू राठौर, राजू लोहिया, अशोक गुप्ता लोहई, रामकुमार अग्रवाल, राघवेंद्र तिवारी, नवनीत गुप्ता, अरविंद अग्रवाल, जयप्रकाश खिल्ली वाले, संतोष गिरवासिया, मुकेश सोनी, वीनू गुप्ता,आशीष कुशवाहा आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

झूलेलाल महोत्सव कार्यक्रम एवं शोभायात्रा के द्रष्टिगत आज रहेगा डायवर्सन

कानपुर। रामबाग से कोई भी वाहन ब्रह्मनगर चौराहे की तरफ नहीं जा सकेंगें। ऐसे वाहन बजरिया, चुन्नीगंज तिराहा होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। ईदगाह तिराहा से कोई भी वाहन ब्रह्मनगर चौराहे की तरफ नहीं जा सकेंगे, ऐसे वाहन बेनाझाबर होते हुए या चुन्नीगंज तिराहा होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। जरीब चौकी से आने वाले वाहन पी रोड नहीं जा सकेंगे ऐसे वाहन संगीत टाकीज तिराहा होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। गुमटी न0 5 से आने वाले वाहन अशोक नगर नहीं जा सकेंगे, ऐसे वाहन ओम बिल्डिंग चौराहा से बाये होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। गुमटी नं0 5 से आने वाले वाहन ब्रह्मनगर नहीं जा सकेंगे ऐसे वाहन बनारसी चाय की दुकान/भारत पेट्रोल पम्प से बांए मुड़कर हर्षनगर होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। बनारसी चाय की दुकान से कोई भी वाहन ब्रह्मनगर चौराहा नहीं जा सकेंगे, ऐसे वाहन बनारसी चाय की दुकान/भारत पेट्रोल पम्प से बाए मुड़कर हर्षनगर होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने सुनीं जनसमस्याएं

पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा कार्यालय में जन-सुनवाई की गई। जन-सुनवाई के दौरान उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनी गईं तथा उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे समयबद्ध व प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि विलंब किसी भी स्थिति में न हो और प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान से अवगत कराया जाए। जन-सुनवाई में आए प्रत्येक आगंतुक से सम्मानजनक व्यवहार करने, उन्हें बैठने हेतु उचित व्यवस्था देने एवं उनकी समस्याएं धैर्यपूर्वक सुनने पर विशेष जोर दिया गया। स्थानीय स्तर पर बार-बार उत्पन्न होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

मोबाइल टावरों से एंटीना कार्ड चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, छह गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर-शाहजहांपुर। कोतवाली पुलिस ने मोबाइल टावरों से एंटीना कार्ड चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए हाईवे से एक कार में 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी किए गए तीन एंटीना कार्ड, चोरी में प्रयुक्त उपकरण, छह मोबाइल फोन, 2,470 रुपये नकद और कार बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी कई टावरों से चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। गिरफ्तार आरोपियों में बरेली के फरीदपुर थाना क्षेत्र के गांव परसपुर मगनपुर निवासी सुनील कुमार, कासगंज के अमांपुर थाना क्षेत्र के अरहरपुर गांव निवासी शिशुपाल, विमल कुमार, विनोद कुमार और सोमदत्त तथा बदायूं के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के पटेल नगर निवासी अमित शामिल हैं।

टावर के पास कार खड़ी कर रात होने का कर रहे थे इंतजार

पुलिस के मुताबिक, आरोपी रविवार को नगरिया चौकी क्षेत्र के चांदापुर गांव स्थित मोबाइल टावर से एंटीना कार्ड चोरी करने की फिराक में पहुंचे थे। टावर के पास कार खड़ी कर वे देर रात होने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिल गई। टीम ने घेराबंदी कर कार सवार सभी छह आरोपियों को दबोच लिया। तलाशी में तीन एंटीना कार्ड के अलावा चार पाना, पेचकस, वायर कटर, क्लैंप, एलन की सेट, स्टार की सेट, स्टील सॉकेट, नट स्पिलटर और एक बल्ब बरामद हुआ। ये उपकरण टावर से एंटीना कार्ड निकालने में इस्तेमाल किए जाते थे।

दिल्ली में कबाड़ियों को बेचते थे चोरी के कार्ड

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मोबाइल टावरों से एंटीना कार्ड चोरी कर उन्हें दिल्ली ले जाते थे। वहां चलते-फिरते कबाड़ियों को बेचकर मिलने वाली रकम आपस में बांट लेते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने 13 जुलाई को जलालाबाद क्षेत्र के बरुआरी गांव स्थित टावर से दो, 25 जुलाई को याकूबपुर चौराहे से चार तथा 22 जुलाई को मिर्जापुर क्षेत्र के दो मोबाइल टावरों से एंटीना कार्ड चोरी करना स्वीकार किया है। इन घटनाओं के संबंध में जलालाबाद और मिर्जापुर थानों में मुकदमे दर्ज हैं। सीओ विदुष सक्सेना ने बताया कि टावरों से एंटीना कार्ड चोरी के मामलों में आरोपियों की तलाश की जा रही थी। रविवार को चांदापुर में चोरी की फिराक में मिले छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सोमवार को सभी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

कांवड़ यात्रा सेवार्थ राजश्री अस्पताल द्वारा जलपान एवं चिकित्सीय शिविर का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/रिठौरा। रिठौर स्थित राजश्री हॉस्पिटल एण्ड इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस द्वारा कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों के जलपान एवं सभी प्रकार की चिकित्सीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए पंडाल लगाकर शिविर का आयोजन किया गया। संस्थान के सचिव राकेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि श्रावण माह में संचालित पवित्र कांवड़ यात्रा में लगातार पैदल चलने के कारण यात्रियों के पैरों में सूजन एवं दर्द की स्थिति में राजश्री अस्पताल प्रबंधन द्वारा कुशल चिकित्सकों की देखरेख में फिजियोथेरेप्युटिक मसाज की सुविधा शिविर में प्रदान की जा रही है। साथ ही पैरों में दर्द एवं छाले होने की स्थिति में वरिष्ठ फिजीशियन द्वारा सभी प्रकार के उत्तम इलाज की व्यवस्था शिविर में निःशुल्क उपलब्ध है। श्रावण माह के अंतिम सोमवार को कांवरियों के संख्या को देखते हुए उनके जलपान, फल वितरण सहित स्थानीय स्तर पर कांवड़ यात्रा की उचित निकासी के लिए मार्ग प्रबंधन का कार्य राजश्री प्रशासन की तरफ से किया गया। इस शिविर के सफल आयोजन में स्वंय सेवकों द्वारा सेवादान करने के साथ-साथ संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, प्रबन्ध निदेशक इ0 रोहन बंसल का सेवा प्रबन्धन विशेष सराहनीय रहा।

चौथे सोमवार को कावड़ यात्रा के श्रद्धालुओं ने मंदिरों में किया जलाभिषेक

बरेली/ चौथे सोमवार को कावड़ यात्रा लेकर वापस लौटे तमाम स्थान के श्रद्धालुओं ने विभिन्न मंदिरों में जल अभिषेक कर भोलेनाथ का आशीष प्राप्त किया किसी क्रम में महेश नाथ मंदिर महेशपुर में स्थित यहां पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर शिव मंदिर में जल अभिषेक किया और भोले से आशीष मांगा इसी क्रम में दलेल नगर शिव मंदिर में भी जल अभिषेक किया गया और श्रद्धालुओं द्वारा भोलेनाथ से आशीष प्राप्त किया इसी क्रम में सिद्ध बाबा मंदिर पर भी कावड़ यात्रा के श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी जिसे संभालने के लिए पुलिस प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी श्रवण मास के अंतिम सोमवार को कावड़ियों में भरी जोश देखने को मिला और सभी ने विभिन्न स्थानों पर बने शिव मंदिरों पर जल अभिषेक करके कावर चढ़ाई और भोलेनाथ से आशीष प्राप्त किया।

मांगों को लेकर रोजगार सेवकों ने दिया धरना, सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- विकास खंड कोंच क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में तैनात रोजगार सेवकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर सोमवार को खंड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में नारेबाजी कर धरना प्रदर्शन किया और मांगों के शीघ्र निराकरण हेतु ज्ञापन सौंपा। धरना प्रदर्शन के उपरांत खंड विकास अधिकारी यज्ञदेव सिंह को सौंपे अपने ज्ञापन में रोजगार सेवकों ने कहा कि पिछले दो वर्षों से क्रॉप सर्वे सहित अन्य कार्यों का भुगतान लंबित है। इसके अलावा करीब एक वर्ष से मानदेय न मिलने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। मानदेय के अभाव में परिवार का भरण-पोषण और बच्चों की शिक्षा जैसी आवश्यकताओं को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। रोजगार सेवकों ने कहा कि उन्हें क्रॉप सर्वे (खरीफ) का कार्य सौंपा गया है लेकिन अधिकांश साथियों के पास सर्वे के लिए आवश्यक स्मार्टफोन उपलब्ध नहीं हैं। पूर्व में स्मार्टफोन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था लेकिन अभी तक इसकी व्यवस्था नहीं की गई है। रोजगार सेवकों ने बीते एक वर्ष के बकाया मानदेय का शीघ्र भुगतान कराने, सभी रोजगार सेवकों का जीवन बीमा कराने, क्रॉप सर्वे कार्य के लिए स्मार्ट फोन शीघ्र ही उपलब्ध कराने की मांग ज्ञापन में की है। ज्ञापन सौंपने वाले रोजगार सेवकों में अमित पटेल अटा, रामलाल पटेल कैथी, हम्मीर सिंह हिंगुटा, सुनील कुमार भरसूडा, सुरेशचंद्र, नरेंद्र सिंह, चंद्रभान, जितेंद्र, प्रीति सिंह आदि मौजूद रहे।

एसडीएम और खाद्य सुरक्षा टीम ने जांच हेतु खाद्य सामग्री के भरे नमूने

कोंच(जालौन)- रक्षाबंधन त्योहार पर मिलावटी, दूषित और नकली खाद्य सामग्री की आपूर्ति पर रोकथाम लगाकर संबंधित विक्रेताओं पर कार्यवाही किए जाने जाने के उद्देश्य से एसडीएम अभिनव कुमार एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी झंकार सिंह ने विभागीय टीम के साथ मिलकर सोमवार को नगर के अलग-अलग इलाकों में मिठाई और परचून की दुकानों पर छापा मारा। अधिकारियों ने टीम के साथ मिलकर मेनरोड पर खुली महाकालेश्वर मिष्ठान भंडार से छैना और पंचानन चौराहा स्थित वीरेंद्र मिष्ठान्न भंडार से रिफाइंड एवं सोयाबीन तेल का नमूना भरा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि जो नमूने लिए गए हैं उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। एसडीएम एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने नगर के सभी दुकानदारों को निर्देश दिए हैं कि नकली, मिलावटी और दूषित खाद्य सामग्री न बेचें, आमजन की सेहत को ध्यान में रखें। पकड़े जाने पर कार्यवाही की जाएगी।

ईद मिलादुन्नबी के मौके पर पर्यावरण जागरूकता को लेकर पौधारोपण अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। अपने तय कार्यक्रम के अनुसार आज कुल हिंद जमी अतुल आवाम एवं जुलूस ए मोहम्मदी की मरकाजी कमेटी सुजानगंज के द्वारा संयुक्त पर्यावरण जागरूकता के लिए पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ईद मिलादुन्नबी पैगंबर इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर 12 पौधे सुजादगंज स्थित छोटी पार्क में लगाकर पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया। पैगंबर मोहम्मद साहब के 1501 जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शहर काजी कानपुर मुफ्ती साकिब मिस्बाही एवं विशिष्ट अतिथि महामंत्री महबूब आलम खान द्वारा संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि हम सबको पर्यावरण के लिए जागरूक होना चाहिए क्योंकि पौधा लगाकर हम अपनी आने वाली जनरेशन के लिए काम कर सकते हैं 12 रबी उल अव्वल ईद मिलादुन्नबी के मौके पर हम सब लोग यह संकल्प ले की शहर भर में पौधे लगाकर पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब की सुन्नत को हर एक इंसान तक पहुंचाएंगे पैगंबर ने पौधा लगाने का हुक्म दिया क्योंकि पौधा ऑक्सीजन देता है फल देता है छाया देता है और अनेक जरूरत की चीज इन्हीं पौधों से पूरी होती है पैगंबर की सुन्नत को अपनाते हुए इस ईद मिलादुन्नबी पर एक पौधा जरूर लगाए कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्था अध्यक्ष शहर काजी मुफ्ती साकिब अदीब मिस्बाही महामंत्री महबूब आलम खान जुलूस ए मोहम्मदी शुजातगंज मरकाजी कमेटी के सदर जियाउल हसमत अल्लान नगर सचिव कफिल खान मोहम्मद शाहनवाज अलीम खान कारी शादाब रजा कानपुरी हाजी शहनवाज सर डॉ ज़ीशान अंसारी डॉ ई ए अंसारी अलीम सर सलमान डिश शाहिद चौधरी अशफाक अली शारिक खान आदिल कुर्सी वाले रऊफ अंसारी, हाजी रेनू आसिफ खान शकील सर ग्लोब्स, यासिर खान ओवैश महताब अहमद आदि मौजूद है।

श्रावण मास के आखिरी सोमवार को शिवालयों में गूंजे हर हर महादेव के स्वर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- पवित्र श्रावण मास के चौथे और आखिरी सोमवार को हर हर महादेव और बोल बम की स्वर लहरियों से शिवालय गूंज उठे। भगवान भूतभावन को समर्पित श्रावण मास के इस आखिरी सोमवार को भी नगर व क्षेत्र के शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। बड़े भोर से ही उमड़ा आस्था का यह सैलाब हर हर महादेव, बोल बम के जयकारों से वातावरण को शिवमय बना रहा था। महिलाओं ने आशुतोष भगवान भोले शंकर को प्रसन्न करने के लिए उनका जलाभिषेक किया, पंचामृत स्नान कराया और विधि विधान से उनका पूजन कर भोग प्रसाद समर्पित किया। चंदकुआं पर भूतेश्वर महादेव मंदिर पर भूत भावन का नयनाभिराम श्रृंगार किया गया, सायं वेला में भी भक्तों की भारी भीड़ रही। महाकालेश्वर मंदिर (नायक का मठ) में भी महिलाओं की भारी भीड़ रही। इसके अलावा सिद्धेश्वर मंदिर नईबस्ती, बख्शेश्वर मंदिर, मारकंडेश्वर आदि मंदिरों में सायं वेला में सैकड़ों महिलाओं ने भजन कीर्तन कर भोलेनाथ को प्रसन्न किया। नईबस्ती के सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में भी बड़े भोर से ही महिलाओं की भारी भीड़ जलाभिषेक के लिए जुटने लगी थी और यह सिलसिला दिन चढे तक जारी रहा। सुरक्षा के दृष्टिगत सभी शिवालयों में पुलिस की भी ड्यूटी लगाई गई थी।

विद्यालय परिसरों से हटेंगी हाईटेंशन और एलटी लाइनें, पहले चरण में 93 स्कूल चिह्नित

राजकीय व सहायता प्राप्त विद्यालयों से गुजर रही विद्युत लाइनें होंगी स्थानांतरित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए विद्यालय परिसरों से होकर गुजर रही हाईटेंशन (एचटी) और लो टेंशन (एलटी) विद्युत लाइनों को हटाकर सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा। शासन के निर्देश पर जनपद में गठित समिति ने पहले चरण में ऐसे 93 विद्यालय चिह्नित किए हैं, जहां विद्युत लाइनों को स्थानांतरित किए जाने की आवश्यकता है। सोमवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई समिति की बैठक में चिह्नित विद्यालयों का स्थलीय सत्यापन शीघ्र पूरा कर कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए गए। शासन ने प्रदेश में संचालित परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के साथ माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के परिसरों से गुजर रही एचटी और एलटी विद्युत लाइनों को हटाने एवं स्थानांतरित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालय परिसर से गुजरने वाली विद्युत लाइनें विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में ऐसे मामलों में राजकीय अथवा सहायता प्राप्त विद्यालयों के परिसर से गुजर रही एचटी एवं एलटी विद्युत लाइनों को निःशुल्क स्थानांतरित करने की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य विद्यालयों में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में गठित समिति ने प्रथम चरण में 93 विद्यालयों का चिन्हांकन किया है। इन विद्यालयों में विद्युत लाइनों को स्थानांतरित करने की कार्रवाई की जा रही है। संबंधित अधिकारियों को स्थलीय सत्यापन शीघ्र पूरा करने और विद्युत विभाग सहित संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए गए।

उल्लास पूर्वक मनाया गया हरियाली तीज कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सरस्वती शिशु मंदिर एवं शिशु वाटिका, मंडी परिसर में हरियाली तीज महोत्सव सोमवार को उल्लास पूर्वक मनाया गया। इस दौरान मातृ भारती परिषद का भी गठन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल रही, जबकि विद्यालय की सह प्रबंधिका मधु गुप्ता, सदस्य डॉ. नीता रेजा, कृष्णा झा, मांडवी निरंजन, रश्मि द्विवेदी, श्वेता जोशी एवं सीमा परिहार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं-युवतियों के लिए श्रृंगार एवं कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। श्रृंगार प्रतियोगिता में श्वेता जोशी एवं रश्मि द्विवेदी ने और कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में आरती ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम सनातन धर्म के तीज त्योहारों के महत्व को प्रासंगिक रखते हैं। वहीं इस दौरान मातृ भारती परिषद का भी गठन किया गया जिसके तहत सरस्वती शिशु मंदिर में रागिनी सोनी को अध्यक्ष, आकांक्षा को उपाध्यक्ष, कल्पना वोहरे को मंत्री, रीना मिश्रा को सहमंत्री तथा रुपम को कोषाध्यक्ष चुना गया। सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में आरती को अध्यक्ष, श्वेता परिहार को उपाध्यक्ष, गुड्डी देवी को मंत्री, मीनू को सहमंत्री तथा रागिनी को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम के समापन पर पावन श्रावण मास के आखिरी सोमवार के अवसर पर तीनों विद्यालयों में अध्ययनरत 1200 छात्र छात्राओं सहित अतिथियों, शिक्षक शिक्षिकाओं और महिलाओं को भंडारा प्रसाद वितरित किया गया। इससे पहले प्रधानाचार्या अर्चना वर्मा ने अतिथियों का बैज अलंकरण कर स्वागत सम्मान किया। संचालन शिक्षिका वंदना अवस्थी और आभार प्रधानाचार्या ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में रीना मिश्रा, आरती, रुपम, केशवती, गुड्डी देवी, श्वेता परिहार, रागिनी, कल्पना, आकांक्षा, खुशबू, मीनू गौतम, पूजा सोनी, हिमानी राठौर सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं विद्यालय स्टॉफ उपस्थित रहे।

मॉस्को में पुतिन से मिले जयशंकर: दिया पीएम मोदी का खास संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मॉस्को। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष संदेश उन्हें सौंपा। दोनों नेताओं के बीच भारत-रूस संबंधों, आर्थिक सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने को लेकर चर्चा हुई। बैठक के दौरान जयशंकर ने प्रधानमंत्री मोदी की ओर से पुतिन को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनके लिए एक व्यक्तिगत संदेश भेजा है, जिसे वह उन्हें सौंपना चाहते हैं। जयशंकर ने बताया कि भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई है।

आर्थिक सहयोग में तेजी

जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस के बीच आर्थिक सहयोग तेजी से बढ़ा है। व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि इन सभी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई है और आगे भी सहयोग को बढ़ाने के प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के राष्ट्रपति पुतिन से शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में मिलने के लिए उत्सुक हैं। इसके बाद भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन का स्वागत किया जाएगा। दोनों नेताओं की सुविधा के अनुसार वार्षिक शिखर सम्मेलन के आयोजन पर भी आगे विचार किया जाएगा।

पुतिन ने मोदी के प्रयासों की सराहना की

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत-रूस संबंधों को मजबूत बनाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों देश लगभग सभी प्रमुख क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। इनमें सरकारी और अंतर-संसदीय संबंधों के साथ आर्थिक सहयोग भी शामिल है। पुतिन ने कहा कि इस वर्ष दोनों देशों के बीच व्यापार में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि रूस-भारत संबंधों को आगे बढ़ाने में प्रधानमंत्री मोदी का व्यक्तिगत ध्यान महत्वपूर्ण है।

पुतिन ने कहा कि भारत की ऊर्जा जरूरतों के साथ उर्वरक आपूर्ति भी महत्वपूर्ण मुद्दा है। रूस भारतीय किसानों और कृषि क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए आपूर्ति बढ़ाने के प्रयास कर रहा है और आगे भी इसमें सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा, उच्च तकनीक और अन्य क्षेत्रों में सहयोग भी दोनों देशों के एजेंडे में शामिल है तथा इन क्षेत्रों में लगातार प्रगति हो रही है। जयशंकर ने रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव के साथ भारत-रूस व्यापार और आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा की और बदलती अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बीच आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया। मंटुरोव के साथ बैठक के दौरान जयशंकर ने कहा कि भारत-रूस साझेदारी ने लगातार मजबूती दिखाई है और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की क्षमता साबित की है। उन्होंने कहा कि जटिल अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद दोनों देशों के बीच संबंध लगातार गहरे हुए हैं। यह आपसी हित और विश्वास को दर्शाता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर रविवार को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर मॉस्को पहुंचे थे। सोमवार को उन्होंने भारत-रूस व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सांस्कृतिक सहयोग संबंधी अंतर-सरकारी आयोग के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता की। उनकी यह यात्रा ऐसे समय हुई है जब दोनों देश आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने तथा ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु ऊर्जा और उच्च तकनीक सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके पर घायल छात्र ने लगाए गंभीर आरोप

राहुल गांधी से मांगा न्याय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में घायल होने का दावा करने वाला बागपत निवासी विकास अग्रवाल सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिलने की उम्मीद में 10 जनपथ पहुंचा। युवक ने प्रदर्शन के दौरान गंभीर चोट लगने का दावा करते हुए इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो में अपने हाथ की चोट और प्रदर्शन से संबंधित तस्वीरें एवं वीडियो दिखाए। विकास के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान उसके हाथ में गंभीर चोट लगी थी। उसने बताया कि जिस हाथ का पहले ऑपरेशन हो चुका था, उसमें 14 टांके आए। युवक ने दावा किया कि चोट के कारण उसे काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अभिजीत दीपके पर लगाया आरोप

विकास अग्रवाल ने आरोप लगाया कि 12 अगस्त को दिल्ली के नारायणा इलाके के एक पार्क में उसे सीजेपी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने बुलाया था। उसके अनुसार, वहां इलाज का खर्च देने के नाम पर 15 से 20 हजार रुपये देने और मामले पर चुप रहने की बात कही गई। विकास ने दावा किया कि उसने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। युवक ने कहा कि वह 12 अगस्त से दिल्ली में इधर-उधर रहने को मजबूर है। उसने यह भी दावा किया कि उसका भाई दिल्ली पुलिस में कार्यरत है, लेकिन उसे वहां से भी अपेक्षित मदद नहीं मिली। अब उसने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से न्याय की उम्मीद जताई है। इस मामले में सीजेपी के मीडिया प्रभारी फरहान से वॉट्सएऐप के माध्यम से प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया गया, लेकिन खबर लिखे जाने तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। ऐसे में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

पांच सितंबर को दिल्ली मार्च का ऐलान

परीक्षा में कथित अनियमितताओं और नीट विवाद को लेकर आंदोलन कर चुके काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने पांच सितंबर को दिल्ली में विरोध मार्च निकालने की घोषणा की है। संगठन के अनुसार शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रस्तावित मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। सीजेपी का कहना है कि मार्च में नीट परीक्षा रद्द होने और दोबारा परीक्षा के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजन तथा जुलाई के आंदोलन में पुलिस कार्रवाई से प्रभावित लोग शामिल होंगे। संगठन ने आरोप लगाया है कि 25 जुलाई को केंद्र के साथ हुए समझौते के बाद भी प्राथमिकी वापस लेने और पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने सहित कई मुद्दों पर अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के चांदनी महल इलाके में इमारत का एक हिस्सा ढहा, बाल-बाल बची लोगों की जान

नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी महल थाना क्षेत्र में स्थित पहारी भोजला में इमारत का एक हिस्सा ढह गया। घटना आज सुबह घटी, जिसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की और वहां मौजूद लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। मलबे के नीचे या आसपास पड़े वाहनों को सावधानीपूर्वक हटाया गया। इस घटना में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई, हालांकि लगभग तीन-चार स्कूटी और मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गईं। इमारत पहले से ही जर्जर हालत में थी। पता चला है कि एमसीडी ने इसकी स्थिति को लेकर पहले ही नोटिस जारी किया था और मरम्मत का काम चल रहा था। पुलिस संबंधित एमसीडी अधिकारियों के साथ मिल कर कानूनी प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

अमृतसर में बेजुबानों के साथ क्रूरता, बंद मकान से बदहाल हालत में बचाए गए 3 कुत्ते और 1 बंदर

अमृतसर। रामतीर्थ रोड पर पशु क्रूरता का दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां ब्रीडिंग के लिए रखे गए कुत्तों को बेहद खराब परिस्थितियों में रखा गया था। रेस्क्यू टीम और पुलिस की कार्रवाई के दौरान तीन कुत्तों और एक बंदर को दयनीय हालत में बरामद कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। गर्मी और बदहाली के कारण मासूम पिल्लों की मौत हो चुकी थी। रेस्क्यू टीम के अनुसार, मौके पर मिली मां लैब्राडोग की हालत भी बेहद गंभीर थी। उसके कान तक गल चुका था और शरीर पर भी बीमारी तथा संक्रमण के लक्षण दिखाई दिए। बताया जा रहा है कि कुत्तों को ब्रीडिंग के उद्देश्य से रखा गया था, लेकिन उनकी देखभाल और उपचार का उचित प्रबंध नहीं किया गया। जैसे ही पुलिस यहां पहुंची मलिक ने बाहर ताला लगा दिया पुलिस ने ताला तोड़कर आंध्र प्रदेश किया। कार्रवाई के दौरान टीम ने तीन कुत्तों को वहां से बाहर निकाला। इसके साथ ही एक बंदर को भी सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू किए गए कुत्तों को अब उपचार के लिए भेजा जाएगा।

लुधियाना में प्री वेडिंग समारोह में दूल्हे ने की सात राउंड फायरिंग

लुधियाना। हंबड़ा रोड स्थित निर्वाणा क्लब में 21 अगस्त को एक प्री वेडिंग समारोह में दूल्हे ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से सात राउंड फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि फायरिंग के दौरान कोई घायल नहीं हुआ। सूचना मिलने पर थाना पीएयू की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सात खोल बरामद कर लिए। मामले में पुलिस ने अशोक नगर निवासी प्रणव खोसला के खिलाफ आर्म्स एक्ट और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपित फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा है। एएसआइ भूपिंदर जग्गी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि निर्वाणा क्लब में समारोह के दौरान आरोपित ने फायरिंग की है। इसके बाद पुलिस क्लब में पहुंची और मौके से सात खोल बरामद किए। समारोह में जिस समय फायरिंग हो रही थी तो किसी ने वीडियो रिकार्ड कर उसे वायरल कर दिया। थाना पीएयू के प्रभारी इंस्पेक्टर अमृतपाल सिंह ने कहा कि पुलिस आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है।

तलाक के बाद भी पत्नी की आर्थिक सुरक्षा पति की जिम्मेदारी, पटना हाई कोर्ट का अहम फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। पटना हाई कोर्ट ने तलाक के एक मामले में कहा कि विवाह विच्छेद के बाद भी पति अपनी पत्नी की आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन-यापन की जिम्मेदारी से पूरी तरह मुक्त नहीं हो जाता। शिवहर जिले के एक मामले में कोर्ट ने तलाक की डिक्री बरकरार रखते हुए पति को अपनी कानूनी रूप से हस्तांतरण योग्य कृषि भूमि में से एक कट्ठा जमीन पत्नी को स्थायी भरण-पोषण के तौर पर देने का आदेश दिया है। साथ ही पत्नी को हर माह 10 हजार रुपये देने को कहा है। जमीन तीन महीने में हस्तांतरित करनी होगी। न्यायाधीश बिबेक चौधुरी और न्यायाधीश राणा विक्रम सिंह की खंडपीठ ने सोमवार को पूनम कुमारी की अपील पर यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने शिवहर फैमिली कोर्ट के 30 जून 2022 के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें पति रमेश प्रसाद को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(आईए) के तहत पत्नी की क्रूरता के आधार पर तलाक दिया गया था। दोनों की शादी 13 मई 2002 को हुई थी। कोई संतान नहीं है। पति का आरोप था कि पत्नी उसे माता-पिता और भाई से अलग रहने के लिए दबाव देती थी। इसके बाद भी वैवाहिक विवाद जारी रहा। दिसंबर 2014 से दोनों अलग रह रहे हैं। पत्नी ने पति और ससुरालवालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और मारपीट का आरोप लगाया था। उसका कहना था कि वह पति के साथ रहने को तैयार है। हाई कोर्ट ने कहा कि मानसिक क्रूरता का फैसला किसी एक घटना के आधार पर नहीं किया जा सकता। पूरे वैवाहिक जीवन, पक्षकारों के व्यवहार और लंबे अलगाव की परिस्थितियों को समग्र रूप से देखना होगा। कोर्ट ने पाया कि वर्ष 2014 से अलग रह रहे दंपती के बीच वैवाहिक संबंध इस स्तर तक बिगड़ चुका था कि सामान्य वैवाहिक जीवन बहाल होने की उम्मीद नहीं थी, इसलिए तलाक की डिक्री में हस्तक्षेप का आधार नहीं है। पति ने पत्नी के निजी शिक्षक होने और 10 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का दावा किया था, लेकिन इसके समर्थन में कोई दस्तावेज नहीं दे सका। दूसरी ओर, रिकॉर्ड में पति की कृषि भूमि और कारोबार सामने आया। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने पत्नी के लिए एक कट्ठा जमीन और 10 हजार रुपये मासिक भरण-पोषण तय किया। पहले से मिल रहे पांच हजार रुपये प्रतिमाह का नई राशि में समायोजन होगा।

कानपुर आरटीओ में पुलिस का छापा, 22 दलाल गिरफ्तार

आरटीओ में मिल रहीं भ्रष्टाचार की शिकायतों पर हुई कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर आरटीओ में दलाली और भ्रष्टाचार की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद सोमवार को एडीसीपी क्राइम सुमित सुधाकर रामटेके के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच टीम और जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने आरटीओ कार्यालय के अंदर बड़ी छापेमारी की। बताया जा रहा है कि इस छापेमारी में 22 दलाल पकड़े गए हैं। कार्यवाही एसडीएम सदर अभिनव सिंह और एडीसीपी क्राइम सुमित सुधाकर रामटेके के नेतृत्व में की गई। छापेमारी से पहले ड्रोन कैमरे से पूरे परिसर की निगरानी की गई। करीब 50-60 पुलिसकर्मियों ने आरटीओ परिसर को घेरते हुए दोनों गेट बंद कर आवाजाही रोक दी। अचानक हुई कार्रवाई से परिसर में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने आरटीओ परिसर के दोनों गेट बंद कर दिए और किसी को भी बाहर नहीं निकलने दिया गया। पुलिस ने कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। प्रशासन की इस कार्रवाई में 22 लोगों को हिरासत में लिया गया है। कार्रवाई का उद्देश्य आरटीओ में कथित दलाली और भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच करना बताया गया है।

हौज खास मेट्रो ट्रैक पर कूदकर खुदकुशी करना चाह रही थी किशोरी, महिला सिपाही ने बचाई जान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की महिला सिपाही निकिता की मुस्तैदी और साहस के चलते हौज खास मेट्रो स्टेशन पर एक हादसा होते होते टल गया। गश्त के दौरान सिपाही ने पास खड़ी एक 16 वर्षीय किशोरी को मेट्रो ट्रैक पर कूदकर जान देने की कोशिश करते हुए देख लिया। परेशान हालत में देखकर माजरा भांपकर उसने तुरंत किशोरी को दबोचकर पीछे की तरफ खींच लिया। डीसीपी डा. आनंद डाभी के मुताबिक 22 अगस्त को हौज खास मेट्रो स्टेशन पर तैनात सिपाही निकिता अपनी नियमित गश्त पर थीं। इसी दौरान उसने देखा कि एक किशोरी मेट्रो ट्रैक की ओर बढ़ रही है और नीचे कूदने का प्रयास कर रही है। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उसने बिना एक पल गंवाए त्वरित कार्रवाई की और बहादुरी से किशोरी को पकड़कर पीछे खींच लिया। लड़की के बार-बार ट्रैक की तरफ जाने के प्रयासों के बावजूद निकिता ने साहस का परिचय देते हुए उसे पकड़ लिया और तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दे दी, जिसके बाद उसे थाने ले जाया गया।

'खतरों के खिलाड़ी 15' से बाहर हुए गौरव खन्ना, स्टंट के दौरान लगी चोट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। टीवी अभिनेता गौरव खन्ना का रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' का सफर दर्दनाक तरीके से खत्म हो गया। शो में कई मुश्किल स्टंट करने वाले गौरव एलिमिनेशन टास्क के दौरान चोटिल हो गए। कोहनी में लगी चोट के कारण वह स्टंट पूरा नहीं कर सके और उन्हें प्रतियोगिता से बाहर होना पड़ा। एलिमिनेशन टास्क में गौरव खन्ना का मुकाबला शगुन शर्मा और रुबीना दिलैक से हुआ। चुनौती के दौरान प्रतिभागियों को अलग-अलग रंगों के झंडे इकट्ठा करते हुए दो संकरे पुलों के बीच छलांग लगानी थी। इनमें से एक पुल घूम रहा था। दोनों पुल काफी ऊंचाई पर बनाए गए थे और प्रतिभागियों को सुरक्षा कवच भी नहीं दिया गया था।

स्टंट के दौरान फिसला पैर

शगुन शर्मा ने सबसे पहले चुनौती पूरी की और छह झंडे हासिल किए। इसके बाद रुबीना दिलैक ने पांच झंडे इकट्ठा किए। गौरव खन्ना ने भी आत्मविश्वास के साथ स्टंट शुरू किया, लेकिन इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वह पानी में गिर गए। पानी से बाहर निकलने के लिए सीढ़ी के सहारे ऊपर चढ़ते समय उनकी कोहनी में चोट लग गई। दर्द अधिक होने के कारण वह आगे स्टंट जारी नहीं रख सके।

पहले से थी कोहनी की समस्या

शो के होस्ट रोहित शेट्टी ने बताया कि गौरव खन्ना पहले से ही 'टेनिस एल्बो' की समस्या से जूझ रहे थे। स्टंट के दौरान उनकी यह चोट और बढ़ गई। चोट के कारण वह चुनौती पूरी नहीं कर सके और उन्हें प्रतियोगिता से बाहर होना पड़ा। शो से विदाई के दौरान गौरव भावुक नजर आए। उन्होंने अपने सफर को याद करते हुए फरहाना भट्ट, हर्ष गुजराल और ओरी यानी ओरहान अवत्रामणि का नाम लिया। उन्होंने बताया कि शो के दौरान इन सभी के साथ उनकी अच्छी बॉन्डिंग रही।

बाबा वीरेंद्र देव दीक्षित के आश्रम से महिला गायब, बंधक बनाकर दुष्कर्म का आरोप

नई दिल्ली। रोहिणी स्थित आध्यात्मिक विश्वविद्यालय से जुड़े आश्रम से एक महिला सदस्य के लापता होने का मामला दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गया है। आश्रम की महिलाओं ने अदालत को बताया कि एक महिला सदस्य लापता है। जबकि उसका सामान अभी भी आश्रम परिसर में पड़ा हुआ है। इस पर हाई कोर्ट ने विजय विहार थाना एसएचओ को लापता व्यक्ति का मामला दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया। मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कहा कि आश्रम के कामकाज की जांच जरूरी है। अदालत ने कहा कि समाज को आश्रम में चल रही गतिविधियों के बारे में जानने का पूरा हक है। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने अदालत को बताया कि आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के संस्थापक वीरेंद्र देव दीक्षित की मौत हो चुकी है। वीरेंद्र देव दीक्षित पर अध्यात्म के नाम पर युवतियों और महिलाओं को बंधक बनाने तथा दुष्कर्म के आरोप थे और वह फरार था।

'ब्रह्मास्त्र 2' में नहीं होंगी दीपिका पादुकोण, प्रवक्ता ने खबरों को बताया गलत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

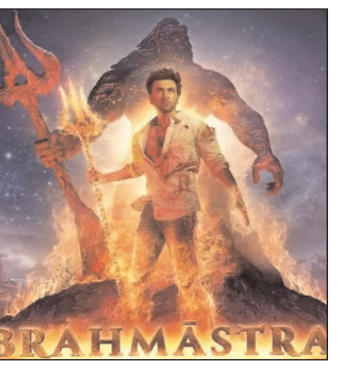

नई दिल्ली। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इन दिनों संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' से जुड़े विवाद को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच उनके फिल्म 'ब्रह्मास्त्र 2' में शामिल होने की खबरों पर भी विराम लग गया है। दीपिका के आधिकारिक प्रवक्ता ने स्पष्ट किया है कि अभिनेत्री का इस फिल्म से किसी भी तरह का संबंध नहीं है। पिछले कुछ समय से मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा था कि दीपिका पादुकोण अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र 2' में अमृता का किरदार निभा सकती हैं। हालांकि, फिल्म की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। अब दीपिका के प्रवक्ता ने इन खबरों को पूरी तरह गलत बताया है।

प्रवक्ता ने क्या कहा ?

दीपिका के प्रवक्ता के अनुसार, अभिनेत्री के 'ब्रह्मास्त्र 2' का हिस्सा होने या किसी भी रूप में इस परियोजना से जुड़े होने की हालिया खबरें गलत हैं। प्रवक्ता के बयान के बाद यह साफ हो गया है कि फिलहाल दीपिका इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। फिल्म में अमृता का किरदार कौन निभाएगा, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है।

'स्पिरिट' को लेकर भी चर्चा में दीपिका

दीपिका पादुकोण इन दिनों संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर भी सुर्खियों में हैं। फिल्म की कार्यप्रणाली, काम के घंटों और मुनाफे में हिस्सेदारी से जुड़ी कथित शर्तों को लेकर विवाद सामने आया है। हालांकि, दीपिका ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इन फिल्मों में नजर आएंगी दीपिका

काम के मोर्चे पर दीपिका पादुकोण शाहरुख खान के साथ आगामी फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी। इसके अलावा वह अल्लू अर्जुन के साथ एक्शन फिल्म 'राका' से भी जुड़ी हैं।

सुरियावां पीस कॉटेज स्कूल में मीनिंग एवं टेबल प्रतियोगिता आयोजित

सुरियावां। पीस कॉटेज स्कूल में विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने एवं उनमें प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने के उद्देश्य से मीनिंग एवं टेबल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य नीरज दूबे, उपाचार्य स्वागता साहा, प्रशासक बी.एस. दूबे, नितेश उपाध्याय सहित तमाम शिक्षक उपस्थित रहे। विद्यालय की मैनेजर माया पांडेय ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं विद्यालय के संरक्षक डॉ. अजय कुमार पांडेय ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को अपनी ओर से शुभकामनाएं प्रेषित कीं। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, ज्ञान एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है।

गौतम गंभीर पर बरसे पूर्व कप्तान, बोले- छोटी टीमों को हराकर होते हैं खुश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। भारत ने पहले टेस्ट में भी जीत दर्ज की थी। इस सीरीज में देवदत्त पडिक्कल ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों मैचों में शतक जड़े हैं। उनके प्रदर्शन के बाद वह नंबर-3 के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर चुके हैं। पडिक्कल के प्रदर्शन को लेकर भारत के पूर्व कप्तान क्रिस श्रीकांत ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा सीरीज में गंभीर के सामने ज्यादा चुनौती नहीं है और छोटी टीमों के खिलाफ जीत से उन्हें खुशी मिलती होगी।

गंभीर पर जमकर साधा निशाना

स्पोर्ट्सकीड़ा से बातचीत में क्रिस श्रीकांत ने कहा कि पहले टेस्ट में 200 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी को बाहर करना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि गंभीर चाहे कुछ भी कहें, लेकिन मौजूदा सीरीज में उनके सामने ज्यादा काम नहीं है। श्रीकांत ने श्रीलंका को मजबूत टीम नहीं बताते हुए कहा कि भारत के सीरीज जीतने की पूरी संभावना है। उन्होंने टिप्पणी की कि श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ जीत से गंभीर खुश होंगे। हालांकि, श्रीकांत ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी व्यक्तिगत आलोचना के तौर पर नहीं है। उन्होंने गंभीर को बेहतरीन खिलाड़ी बताते हुए कहा कि खेल को समझने और परिस्थितियों को पढ़ने की उनमें अच्छी क्षमता है। उनके मुताबिक गंभीर को अपनी कार्यशैली में थोड़ा अधिक संवेदनशील होने की जरूरत है।

भारत ने पहली पारी में बनाए ५०३ रन

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम ने पहली पारी में 503 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। देवदत्त पडिक्कल ने 117 रन की शानदार पारी खेली। इसके बाद ध्रुव जुरैल ने नाबाद 115 रन बनाए, जबकि ऋषभ पंत ने 63 रन का योगदान दिया।

भाजपा पंजाब की सभी 117 सीटों पर अकेले लड़ेगी : बीएल संतोष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी के बीच संभावित गठबंधन को लेकर चल रही अटकलों पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष ने विराम लगा दिया है। दो दिवसीय पंजाब दौरे पर पहुंचे संतोष ने स्पष्ट किया कि भाजपा अकाली दल के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी और आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 117 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी।बीएल संतोष ने कहा कि पंजाब अब बदलाव के लिए तैयार है और भारतीय जनता पार्टी इस बदलाव की अगुवाई करेगी। उनके इस बयान के बाद पंजाब की राजनीति में गठबंधन को लेकर चल रही चर्चाओं पर फिलहाल विराम लग गया है। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने हाल ही में प्रदेश में नई संगठनात्मक टीम का गठन किया था। इसके बाद पार्टी के भीतर कुछ नेताओं में असंतोष की चर्चाएं सामने आई थीं। संगठन की स्थिति का जायजा लेने और कार्यकर्ताओं व नेताओं से संवाद के लिए बीएल संतोष दो दिवसीय पंजाब दौरे पर पहुंचे हैं। मोहाली पहुंचने पर पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और प्रदेश के सह-प्रभारी सरदार नरेंद्र सिंह रैना ने उनका स्वागत किया। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान बीएल संतोष प्रदेश के अलग-अलग जोन के नेताओं के साथ बैठक कर संगठन की स्थिति की समीक्षा करेंगे। सोमवार को वह पटियाला और बठिंडा जोन के नेताओं के साथ बैठक करेंगे, जबकि मंगलवार को लुधियाना, जालंधर और अमृतसर जोन के नेताओं से संवाद करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय सचिव वरुण चौधरी जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों से आज प्रयागराज में मिलेंगे - डॉ नीरज

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी ने जिला व नगर कांग्रेस के पदाधिकारीगण, पूर्व विधानसभा प्रत्याशीगण, एआईसीसी व पीसीसी सदस्य गण एवं समस्त ब्लॉक अध्यक्षगण, नगर अध्यक्षगण, समस्त फ्रंटल,विभाग/प्रकोष्ठ के अध्यक्षगण व समस्त वरिष्ठ कांग्रेस जनों को सूचित किया है कि आज मंगलवार 25 अगस्त को अपराह्न दो बजे से तीन बजे तक प्रयागराज सर्किट हाउस में नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव वरुण चौधरी प्रतापगढ़ कांग्रेस के साथियों से मुलाकात करेंगे। उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में वहां पहुंचने की अपील किया है।

जिला उद्योग बन्धु की बैठक आज होगी

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग एसएस रावत ने बताया है कि जिला उद्योग बन्धु की बैठक आज मंगलवार को अपरान्ह 4 बजे जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में आयोजित होगी।

श्रावण के आखिरी सोमवार को बाबा घुइसरनाथ धाम में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

लालगंज, प्रतापगढ़। श्रावण माह के आखिरी सोमवार को बाबा घुइसरनाथ धाम में श्रद्धालुओं तथा कांवड़ियों का भारी सैलाब देखा गया। सुबह की आरती के बाद जैसे ही मंदिर का पट खुला पूरा परिसर हर हर महादेव तथा बोल बम के जयघोष से गूंज उठा। मंदिर के महंत मयंक भाल गिरि के संयोजन में प्रातः आरती को देखने में महिलाओं को खासा उत्साहित देखा गया। श्रद्धालुओं की भीड़ को देख एसडीएम वाचस्पति सिंह व सीओ राजीव द्विवेदी खुद सुरक्षा बंदोबस्त की निगरानी करते देखे गये। श्रद्धालुओं ने गंगा सरोवर में भी स्नान कर देवाधिदेव महादेव का विधिविधान से दर्शन पूजन किया। सई के मध्य विराजे बाबा घुइसरनाथ की भव्य प्रतिमा को भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में श्रद्धालु निहारते दिखे। सांगीपुर के साथ साथ लालगंज, लीलापुर समेत कई थानों की फोर्स व पीएसी भी धाम में एहतियातन मुस्तैद देखी गयी।

चालक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना हेतु जिलाधिकारी के समक्ष करना होगा आवेदन

लखनऊः प्रदेश के 17 जनपदों -वाराणसी, मिर्जापुर, प्रयागराज, गोरखपुर, बस्ती, अयोध्या, आजमगढ, देवीपाटन-गोण्डा, बरेली, मुरादाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर, झांसी, अलीगढ़, मथुरा, चित्रकूटधाम-बांदा तथा रायबरेली जनपदों को छोड़कर अन्य जनपदों में चालक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना हेतु लेटर ऑफ इन्टेन्ट निर्गत किये के लिए आवेदन मांगे गए थे। जिसमें आमंत्रण/लेटर ऑफ इन्टेन्ट निर्गत किये जाने की व्यवस्था थी। इसमें संशोधन करते हुए लेटर ऑफ इन्टेन्ट जारी करने को समाप्त कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए सचिव राज्य परिवहन प्राधिकरण ने बताया कि अब मानक के अनुसार स्थापित चालक प्रशिक्षण केन्द्र के प्रत्यायन के प्रार्थना पत्र के अतिरिक्त केन्द्र की स्थापना हेतु कोई आवेदन राज्य परिवहन प्राधिकरण के समक्ष नहीं किया जाएगा। प्रत्यायन प्राप्त चालक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना एवं रख-रखाव हेतु इच्छुक आवेदक अपना प्रस्ताव विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (क्च्त्), जो किसी नेशनल स्किल्ड कौंसिल से अनुमोदित होगा, के साथ सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। जिलाधिकारी द्वारा की गयी संस्तुति के उपरान्त ही फॉर्म-3बी में अंडरटेकिंग प्राप्त किये जाने हेतु आवेदन राज्य परिवहन प्राधिकरण के समक्ष किया जा सकेगा।

सम्पर्क सूत्र- आशीष सिंह

विश्व ओपन ताइक्वांडो में सिद्धार्थनगर के चार खिलाड़ियों ने दिखाया दम

शोहरतगढ़ ताइवांडो एकेडमी के चार खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया जिले का गौरव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ की मिट्टी से निकले दृढ़ संकल्पित खिलाड़ियों ने कोच बजरंगी राजपूत के मार्गदर्शन में विश्व मंच पर पहुंचकर इतिहास रच डाला। शोहरतगढ़ ताईक्वांडो एकेडमी के चार खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक एवं एक रजत पदक जीतकर शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश और भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया। भारत देश के हैदराबाद में 21 अगस्त से 23 अगस्त को आयोजित हुये विश्व ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप में अमेरिका, रूस, जापान, चीन कोरिया, नेपाल, जर्मनी , फ्रांस आदि सहित 24 देश के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जिसमें जनपद सिद्धार्थनगर के शोहरतगढ़ से खिलाड़ी सौम्य प्रताप सिंह, अंकिता कनौजिया, प्रिंस व महक चौधरी ने ताइक्वांडो कोच बजरंगी राजपूत के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभा किया। सीमित संसाधनों के बाद भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिभा का प्रदर्शन कर प्रतिभावान खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण एक

रजत पदक की जीत हासिल की। खिलाड़ी सौम्य प्रताप सिंह स्वर्ण पदक , प्रिंस स्वर्ण पदक , महक चौधरी स्वर्ण पदक व अंकिता कन्नौजिया रजत पदक हासिल किया। खिलाड़ी सौम्य प्रताप सिंह का पहला मुकाबला जिम्बाब्वे व दूसरा मुकाबला कनाडा के खिलाड़ियों से हुआ जिसमें उन्होंने जीत हासिल कर स्वर्ण पदक पाया। इसी तरह प्रिंस का पहला मुकाबला रूस व दूसरा मुकाबला मलेशिया से होने के बाद उन्हें स्वर्ण पदक मिला। खिलाड़ी महक चौधरी पहला मुकाबला दक्षिण कोरिया व दूसरा मुकाबला नेपाल से होने के बाद वे भी स्वर्ण पदक जीतने में कामयाब हुये। बांग्लादेश से हुये मुकाबले में खिलाड़ी अंकिता कन्नौजिया ने रजत पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। क्षेत्र के अहिरौला गांव निवासी खिलाड़ी प्रिंस के प्रशिक्षण अभ्यास की कहानी मार्मिक है। पिता लिवर कैंसर से पीड़ित हैं। फिर भी पिता ने विपरीत परिस्थितियों में भी बेटे के रुचि और प्रतिभा का अंदाजा लगाकर उसके हिम्मत को बढ़ाया। बेटा परिवार व देश के लिये कुछ करने की इच्छा लेकर आगे बढ़ रहा है। उनकी उपलब्धि से परिवार काफी खुश है। इसी तरह खिलाड़ी अंकित कनौजिया नगर पंचायत शोहरतगढ़ की रहने वाली है। पांच वर्षो से प्रशिक्षण लेने के बाद एक जगह मुंशी के रूप में कार्यरत पिता की आर्थिक स्थिति ठीक-ठाक होने के बावजूद लगातार अभ्यासरत रही। सीमित आय के बावजूद पिता ने बेटी के खेल के रुचि को ध्यान में रखते हुए उसके सपने को पूरा करने में सहयोग दिया। शोहरतगढ़ की रहने वाली महक चौधरी भी दो वर्षो के कठिन परिश्रम के प्रशिक्षण के बाद विश्व मंच पर पहुंच कर नाम रोशन किया। पड़ोसी जनपद बलरामपुर के रहने वाले सौम्य प्रताप सिंह ने दोस्त खिलाड़ी प्रिंस के साथ लगातार अभ्यास रत व प्रशिक्षण लेते रहे। अपने प्रतिभा और रुचि से जिला प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाता कर गौरव हासिल किया। कुछ दिनों पहले आंध्र प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक जीत चुके हैं उन्होंने जनपद टीम के साथ शामिल होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अब उन्हें विश्व चैंपियनशिप में भी पहुंचने का मौका तो स्वर्णपदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

इन खिलाड़ियों के सफलता के पीछे शोहरतगढ़ ताईक्वांडो एकेडमी के कोच बजरंगी राजपूत का वर्षो का अथक प्रयास, बेहतर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन व एकेडमी अध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह व सहयोगी नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा है। खेल के प्रति जुनून ,समर्पण और बच्चों के सुनहरे भविष्य सपना लेकर वे कुछ बेहतर करने के लिये प्रयासरत हैं। शोहरतगढ़ के सरजमीं पर उभरते, निखरते ताइक्वांडो खिलाड़ियों की सफल से लोगों में खुशी हैं।

मिठाई और ढाबों पर खाद्य विभाग की छापेमारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने सोमवार को मिलावटखोरी के खिलाफ अभियान चलाते हुए रेस्टोरेंट, ढाबों और मिष्ठान प्रतिष्ठानों में छापेमारी एवं निरीक्षण की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के छः नमूने संग्रहित किए गए, जिन्हें जांच के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा गया है। खाद्य सचल दल ने सबसे पहले रानीगंज स्थित तिवारी ढाबा का निरीक्षण किया। टीम ने यहां से पकी हुई दाल और सरसों के तेल के नमूने लिए। इसके बाद देव भोग स्वीट्स का निरीक्षण किया गया। खाद्य टीम ने पावर हाउस रानीगंज स्थित मिठा महल से खोया का नमूना संग्रहित किया। पृथ्वीगंज स्थित मनीराम स्वीट्स से भी खोया का नमूना जांच के लिए लिया गया। इसके अलावा जिला अस्पताल चौराहा स्थित सागर जलपान गृह से खोया बर्फी और खोया के नमूने संग्रहित किए गए।छापेमार कार्रवाई में रोशन सिंह, संतोष कुमार दूबे, डॉ. यादव संजय कुमार नन्हकू, शहाब उद्दीन सिद्दीकी और डॉ. शमशुन नेहा सहित खाद्य सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

बिस्कोहर में सावन के अंतिम सोमवार को निकली कावड़ यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। नगर पंचायत बिस्कोहर में चतुर्थ सोमवार को पवित्र श्रावण मास के पावन अवसर पर सुबह नगर पंचायत बिस्कोहर वार्ड नंबर 5 अटल नगर टोला दक्षिण डीह बिस्कोहर स्थित बाबा लिपटेश्वर नाथ मंदिर पर नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता के नेतृत्व में नगर वासियों व क्षेत्र से अधिकांश लोग मौजूद होकर कांवड़ यात्रा का जत्था बना कर जल भरने के लिए परसोहन घाट पर गए। यहां कई वर्षो से सावन माह में जलाभिषेक प्रारम्भ हो गया। और इस वर्ष भी सावन माह के चतुर्थ सोमवार को पवित्र श्रावण मास में बाबा लिपटेश्वर नाथ महादेव मंदिर से नगर पंचायत बिस्कोहर व क्षेत्रवासियों ने कांवड़ यात्रा का जत्था कावड़ियों का जल भरने के लिए परसोहन घाट पर जा पहुंचे। परसोहन घाट से जल भर कर वापस बाबा लिपटेश्वर नाथ मंदिर पर जलाभिषेक लेकर पहुंचे लिपटेश्वर नाथ पर

जलाभिषेक किए और हर- हर महादेव हर - हर महादेव का जयकारा लगाते हुए जलाभिषेक किया। इस दौरान नगर अध्यक्ष अजय गुप्ता, प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय, उपनिरीक्षक गणेश कुमार, इंद्रजीत सिंह, आशीष मौर्य, कांस्टेबल रामनरेश पासवान, मनोज कुमार यादव, लाल बाबू पाठक, वृज लाल प्रजापति, उमानाथ प्रजापति, करन प्रजापति, सभासद प्रतिनिधि रवि सिंह,शेष राम पासवान, केशव पासवान पिंकू मोदनवाल, लालू , सचिन गुप्ता, आदि लोग मौजूद रहे।

अजगरा महान संवाद में प्रतिभागियों ने नीति व नैतिकता पर किया मंथन

लालगंज, प्रतापगढ़। अजगरा महान संवाद 2026 को लेकर सोमवार को नगर पंचायत सभागार में नीति और नैतिकता तथा अजगरा के महत्व को लेकर दिन भर मंथन हुआ। प्रारम्भ में ईओ इंद्र प्रताप ने डीएम अभिषेक पाण्डेय की ओर से अजगरा महान संवाद की पृष्ठभूमि पर प्रतिभागियों को जानकारियां प्रदान की। चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। एसबीएम महाविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ0 अम्बिकेश त्रिपाठी ने संवाद कार्यक्रम को नई पीढ़ी के लिए ऐतिहासिक ज्ञान वृद्धि का सार्थक ध्येय बताया। एचएन बहुगुणा पीजी कालेज के डॉ0 फणीन्द्र नारायण मिश्र ने आज के दौर में यक्ष प्रश्न की सार्थकता पर प्रकाश डाला। निर्णायक मण्डल के राकेश त्रिपाठी, रोशन सिंह, शालिनी बाला सिंह, कंचन सिंह व पूनम ने आयोजन को प्रतिभागियों में तर्क क्षमता की वृद्धि का मंच बताया। प्रतिभागी विपिन शुक्ल, प्रांजल, अनिल त्रिपाठी, जितेन्द्र तिवारी, रोहित मिश्र आदि ने प्रश्नोंत्तरी के जरिए संवाद को साझा किया। संवाद कार्यक्रम का संयोजन अनिकेत दुबे, अरविंद मिश्र, विकास तिवारी ने संयुक्त रूप से किया।

राष्ट्र गान की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष मांगे माफी- डॉ नीरज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। बीते दिनों उन्नाव में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के राष्ट्रगान के दौरान कार्यक्रम स्थल से कथित रूप चले जाने के विरोध में कांग्रेसियों ने शान्ति पूर्ण प्रदर्शन के माध्यम से कोतवाली नगर पहुंच कर नगर कोतवाल सुभाष यादव को लिखित तहरीर सौंपकर जल्द एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई किए जाने की मांग की।कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रगान देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। संवैधानिक पद पर विराजमान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को देश के सामने आकर माफी मांगनी चाहिए द्य राष्ट्रगान का अपमान

हम कत्तई बर्दाश्त नहीं करेंगे।उन्होंने कहा कि हम किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ राजनीतिक दुर्भावना से कार्रवाई नहीं चाहते, बल्कि राष्ट्रगान की गरिमा और देश के संविधान में स्थापित राष्ट्रीय सम्मान की मर्यादा का पालन चाहते हैं। वीडियो में दिखाई दे रही घटना की निष्पक्ष जांच कराकर संबंधित लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष प्रशांत सिंह प्रिंशु, नगर अध्यक्ष मोहम्मद इश्तियाक, जिला प्रवक्ता मासूम हैदर, सुरेश कुमार मिश्र,मनरेगा प्रभारी रवि भूषण सिन्हा, यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव मोहम्मद हुजैफ, अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार सरोज, जिला सचिव बैजनाथ यादव, सदर ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद वसीम, कार्यालय सचिव रियाज सुल्तान, नगर सचिव अरबाज आलम, रवि प्रताप सिंह,नूर आलम सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

रामपुरखास में हुआ प्रमोद व मोना का भव्य स्वागत, उमड़े ग्रामीण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना सोमवार को रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर जनसंवाद कार्यक्रमों में शामिल हुए। सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक मोना ने कार्यक्रमों में लोगों को रामपुरखास के सर्वश्रेष्ठ विकास को तेजी से जारी रखने का भरोसा दिलाया। वहीं कार्यकर्ताओं व समर्थकों के साथ जगह जगह बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामीणों द्वारा सोमवार को भी सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक मोना का क्षेत्र पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ दिखा। स्वागत का सिलसिला जलेशरगंज बाजार, असरही मोड़, केशवपुर तिराहा, जैनपुर मोड़, शीतलमऊ मोड़ व नगर के बैलना बाबा की कुटी पर भी उत्साह के बीच नजर आया।लालगंज कैम्प कार्यालय पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक मोना कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए।उन्होने हाल

ही में विधायक मोना द्वारा मंगापुर में खेल स्टेडियम तथा रामपुर बावली में करोड़ों के कंपोजिट विद्यालय व बाबा घुइसरनाथ धाम में स्वीकृत करायी गयी स्थायी पुलिस चौकी को क्षेत्र के विकास तथा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि जनता के मान सम्मान की हिफाजत के साथ क्षेत्र के बहुमुखी विकास का मिशन और उज्ज्वल दिखेगा। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, ब्लाक प्रमुख अमित सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, केडी मिश्र, गीता सिंह, भुवनेश्वर शुक्ल, आशीष मोदनवाल, आशीष उपाध्याय, गौरव केसरवानी, आफत सिंह, आदर्श सिंह, विकास मिश्र, विशालमूर्ति मिश्र, छोटू पाण्डेय, लल्लन मिश्र, अनिल पाण्डेय, दारा सिंह, संजय सिंह, पन्नेलाल पाल, अनुराग पाण्डेय, देवी प्रसाद मिश्र आदि रहे।

सावन के अंतिम सोमवार को जगह जगह हुआ रुद्राभिषेक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। रुद्राभिषेक सनातन धर्म में भगवान शिव की आराधना का सबसे प्रभावी और कल्याणकारी अनुष्ठान है। जिसमें शिवलिंग पर मंत्रोच्चार के साथ पवित्र द्रव्यों की धारा अर्पित की जाती है। उसका बाजार कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र में तमाम श्रद्धालुओं ने मंदिर में एवं अपने घर में रुद्राभिषेक किया। श्री पयोहारी आश्रम उसका राजा के पुजारी पंडित रमाकांत शुक्ला ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार, 'रुद्र' स्वयं भगवान शिव का उग्र रूप हैं और 'अभिषेक' का अर्थ है स्नान कराना, अर्थात रुद्राभिषेक का सीधा अर्थ है भगवान रुद्र का पावन अभिषेक करना। यह अनुष्ठान मुख्य रूप से ऋग्वेद और यजुर्वेद के श्री रुद्रम मंत्रों के पाठ के साथ संपन्न किया जाता है। वैदिक नियमों के अनुसार, अनुष्ठान को निर्विघ्न पूरा करने के लिए सबसे पहले भगवान गणेश और माता गौरी का पूजन होता है। यजमान अपने नाम, गोत्र और विशिष्ट मनोकामना का उच्चारण कर हाथ में जल लेकर संकल्प करता है।सुख-समृद्धि और ग्रहों की शांति के लिए पवित्र कलश की स्थापना कर नौ ग्रहों का आह्वान किया जाता है।शिवलिंग पर निरंतर शिव मंत्रों जैसे महामृत्युंजय मंत्र या '? नमः शिवाय के साथ विभिन्न द्रव्यों की धार चढ़ाई जाती है। कस्बा में नगर पंचायत की चेयरमैन मंजू जायसवाल पत्नी हेमंत कुमार जायसवाल ने भी अपने घर परिवार में रुद्राभिषेक किया।

बस्ती में पुलिस व्यवस्था पर उठे सवाल, कार्रवाई न होने के आरोपों से बढ़ी नाराजगी

बस्ती। बस्ती जिले में पुलिस की कार्यशैली को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आम लोगों का आरोप है कि कई मामलों में थानों पर शिकायत के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती। वहीं आईजीआरएस पर शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। हालांकि, पुलिसकर्मियों द्वारा कार्रवाई के बदले रुपये लेने जैसे आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। लालगंज थाना क्षेत्र में मारपीट के दौरान मनीष पांडेय की मौत के बाद मामला और गरमा गया है। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश है। पोस्टमार्टम के बाद ग्रामीण शव लेकर पुलिस चौकी के सामने पहुंच गए और धरना देकर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई शिकायतों में मौके पर प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय आईजीआरएस पर रिपोर्ट लगाकर मामलों का निस्तारण कर दिया जाता है। उनका कहना है कि विवादों का समय रहते समाधान नहीं होने के कारण बाद में मारपीट और गंभीर घटनाएं सामने आती हैं।

काशी रुद्रास और लखनऊ फाल्कन्स के बीच मुकाबले से यूपी टी-20 लीग का आगाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में सोमवार को उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) द्वारा आयोजित यूपी टी-20 लीग के अंतर्गत काशी रुद्रास और लखनऊ फाल्कन्स के बीच रोमांचक मुकाबले का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने टॉस कराया और घंटी बजाकर मैच का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में यूपी टी-20 लीग गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर, गवर्निंग काउंसिल के सदस्य संजीव कुमार सिंह सहित दोनों टीमों के कप्तान काशी रुद्रास के करण शर्मा और लखनऊ फाल्कन्स के भुवनेश्वर कुमार मौजूद रहे।

युवाओं को मिल रहा आगे बढ़ने का अवसर

इस अवसर पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि यूपी टी-20 लीग उत्तर प्रदेश की क्रिकेट प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान कर रही है। प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को अनुभवी और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ खेलने तथा उनसे सीखने का अवसर मिलता है। इससे उनके खेल कौशल के साथ आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

खेल सुविधाओं पर सरकार का जोर

मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों के विकास के लिए बेहतर खेल सुविधाएं, प्रशिक्षण और प्रतिभाओं को उचित मंच उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दे रही है। यूपी टी-20 लीग जैसे आयोजन उत्तर प्रदेश में क्रिकेट सहित अन्य खेलों की मजबूत संस्कृति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता उन्हें उचित अवसर, बेहतर प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराने की है। खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करता है। मंत्री ने काशी रुद्रास और लखनऊ फाल्कन्स के सभी खिलाड़ियों को मुकाबले के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का शानदार मेल

यूपी टी-20 लीग गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने कहा कि लीग में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का शानदार तालमेल देखने को मिल रहा है। इससे प्रदेश के उभरते क्रिकेट खिलाड़ियों को बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से उत्तर प्रदेश के क्रिकेट को नई पहचान मिलने के साथ युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

भाषिणी (ठींपदप) ने रियल-टाइम अनुवाद से यूपी-जापान निवेश सम्मेलन में दूर की भाषा की बाधा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश को सुगम बनाने और वैश्विक दिग्गजों के साथ संवाद को अधिक समावेशी बनाने के उद्देश्य से राज्य की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी 'इन्वेस्ट यूपी' ने भारत सरकार के ।प्-संचालित बहुभाषी प्लेटफॉर्म 'भाषिणी' (ठींपदप) के साथ विशेष सहयोग किया है। हाल ही में आयोजित 'यूपी-जापान निवेश सम्मेलन-2026' में इस साझेदारी का सफल क्रियान्वयन देखने को मिला, जहां भाषिणी की रियल-टाइम अनुवाद तकनीक ने भारतीय और जापानी प्रतिनिधियों के बीच भाषा की बाधा को पूरी तरह खत्म कर दिया।

रियल-टाइम स्पीच-टू-टेक्स्ट ने जोड़े भारतीय और जापानी हितधारक

सम्मेलन के दौरान उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब हिंदी में सभा को संबोधित किया, तब 'भाषिणी' के 'श्रुतलेख' ;ैतनजसमीद्ध फीचर के माध्यम से उनके भाषण का रियल-टाइम जापानी भाषा में सटीक अनुवाद और ट्रांसक्रिप्शन प्रस्तुत किया गया। इसी प्रकार, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के अंग्रेजी संबोधन का भी जापानी भाषा में त्वरित अनुवाद किया गया। प्लेटफॉर्म ने हिंदी, अंग्रेजी और जापानी के बीच द्विपक्षीय संवाद को सहज बनाया, जिससे दोनों देशों के प्रतिनिधि अपनी-अपनी भाषाओं में प्रभावी ढंग से चर्चा कर सके। इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में 'श्रुतलेख' तकनीक रही, जिसने रियल-टाइम स्पीच-टू-टेक्स्ट की सुविधा प्रदान कर इस बहुभाषी संवाद को सफल बनाया।

भाषिणी ने वैश्विक निवेश संवाद में की भूमिका को विस्तार दिया

इस तैनाती ने दिखाया कि बहुभाषी ।प् पारंपरिक अनुवाद से आगे बढ़कर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को कैसे आसान बना सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ;डमपजल्द्ध के डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन ;क्प्ठक्द्ध द्वारा संचालित 'भाषिणी' प्लेटफॉर्म ने यूपी-जापान निवेश सम्मेलन में पारंपरिक अनुवाद से आगे बढ़कर बहुभाषी संवाद को सुगम बनाया। इसने विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, नवाचार, कौशल विकास और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा के दौरान भाषाई बाधाओं को समाप्त किया। वर्तमान में 800 से अधिक सरकारी वेबसाइटों को सशक्त बना रहा भाषिणी प्रतिदिन 2.4 करोड़ से अधिक और अब तक 9 अरब से अधिक ।प् इन्फरेंस प्रोसेस कर चुका है। यह 36 भारतीय लिखित, 23 भारतीय वॉयस और 35 अंतरराष्ट्रीय भाषाओं को सपोर्ट कर वैश्विक निवेश और डिजिटल सेवाओं में भाषा ।प् की भूमिका को नए आयाम दे रहा है। 'इन्वेस्ट यूपी' ने भारत-जापान निवेश संवाद को अधिक कनेक्टेड और समावेशी बनाने के लिए भाषिणी के इस तकनीकी सहयोग की सराहना की है।

सम्पर्क सूत्र- सरिता वर्मा

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, गुरुग्राम में वर्क फ्रॉम होम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। सावन के आखिरी सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में सुबह से हुई तेज बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। कई इलाकों में जलभराव और पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित हुआ, जबकि प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम लगने से लोगों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे ज्यादा असर गुरुग्राम में देखने को मिला, जहां कई सड़कें जलमग्न हो गईं और कुछ स्थानों पर दो से तीन फीट तक पानी भर गया। हालात को देखते हुए गुरुग्राम जिला प्रशासन ने 25 अगस्त 2026 को सभी कॉरपोरेट कार्यालयों और संस्थानों में कर्मचारियों को घर से काम करने की सलाह दी है। सरकारी और निजी स्कूलों तथा संस्थानों से भी कर्मचारियों को घर से काम कराने को कहा गया है। प्रशासन का उद्देश्य सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करने के साथ जलभराव वाले क्षेत्रों में नागरिक एजेंसियों को राहत एवं जल निकासी कार्य करने में सुविधा देना है।

सोहना रोड पर चार किलोमीटर लंबा जाम

भारी बारिश के कारण सोहना रोड पर व्यापक जलभराव हुआ। इस्लामपुर गांव के पास करीब चार किलोमीटर लंबा जाम लग गया। कई वाहन पानी में फंस गए, जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। जलभराव के बीच कई स्कूल बसें भी फंस गईं। बारिश के कारण शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। जीएमडीए और नगर निगम की ओर से बारिश से पहले नालों की सफाई और जल निकासी के इंतजाम किए जाने के बावजूद कई इलाकों में पानी जमा हो गया।

राजीव चौक पर बस और एंबुलेंस फंसी

राजीव चौक पर गुरुग्राम-सोहना हाईवे की सर्विस रोड पर भारी जलभराव के कारण सड़क तालाब में तब्दील हो गई। यहां एक बस और एंबुलेंस भी पानी में फंस गई, जिसके चलते वाहनों की लंबी कतार लग गई। सुभाष चौक से सदर थाने की ओर जाने वाली सर्विस रोड पर करीब तीन फीट तक पानी जमा हो गया। अतुल कटारिया चौक के पास शीतला माता रोड पर एक स्कूल बस पानी में फंस गई। स्थानीय लोगों ने बस में सवार बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। समाजसेवी नवीन गोयल, अमरीक राठी और गजेंद्र गुप्ता ने सेक्टर-12 चौक पर यातायात व्यवस्था संभालने में मदद की। इसके बाद उन्होंने शीतला माता रोड पर पहुंचकर जलभराव में फंसे लोगों की सहायता की।

गोल्फ कोर्स रोड भी जलमग्न

गोल्फ कोर्स रोड पर भी जल निकासी व्यवस्था प्रभावित रही। कई स्थानों पर दो से तीन फीट तक पानी जमा होने के कारण आसपास की सोसाइटियों से बाहर निकलने वाले लोगों को परेशानी हुई। रैपिड मेट्रो स्टेशन के नीचे भी जलभराव रहा। इसके अलावा सोहना हाईवे के कुछ हिस्सों में पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ। बारिश के कारण दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में यातायात की रफ्तार थम गई और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी समय लगा।

बेकाबू वाहन ने दंपती को रौंदा, 71 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने गंवाई जान

राजधानी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है, जिसमें 71 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और उसके पति घायल हो गए। यह घटना 23 अगस्त को हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है, और आगे की जांच जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 23 अगस्त को पीसीआर कॉल के माध्यम से ग्रेटर कैलाश-1 पुलिस स्टेशन को एक सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। जांच में पता चला कि एक वाहन चालक ने पहले कई अन्य वाहनों को टक्कर मारी और उसके बाद एक पैदल चलने वाले जोड़े को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में घायल हुए दंपति को तुरंत मूलचंद अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान 71 वर्षीय महिला शशि को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, उनके 65 वर्षीय पति कुलभूषण घायल हो गए। इस गंभीर घटना के संबंध में भारतीय दंड संहिता की धारा 281, 125(ए) और 106 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने दुर्घटना को अंजाम देने वाले चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

खाना पसंद नहीं आया, नाबालिगों ने ढाबा कर्मचारी पर चाकू से किया हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। वेलकम इलाके में ढाबे का खाना स्वादिष्ट न लगने पर दो नाबालिगों ने एक कर्मचारी पर चाकू से वार दिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित फरार हो गए थे। घायल हालत में एहसान का आरएमएल अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वेलकम थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा में केस दर्ज कर दोनों आरोपित नाबालिगों को पकड़ लिया है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि 21 अगस्त की रात नौ बजे वेलकम थाना पुलिस को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल से सूचना मिली कि एक युवक को घायल हालत में भर्ती करवाया गया है। युवक पर चाकू से वार किए गए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस वेलकम स्थित ढाबे पर पहुंची, जहां ढाबा संचालक सिराज मिला।

पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों से की आरोपितों की पहचान

उसने पुलिस को बताया कि रात में दो लोग ढाबे पर खाना खाने आए थे। उन्हें खाना स्वादिष्ट नहीं लगा तो उन्होंने कर्मचारी पर चाकू से हमला कर दिया।

पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों से आरोपितों की पहचान की और उन्हें वेलकम से पकड़ लिया। दोनों की उम्र 14 से 15 साल है। लोगों को डराने धमकाने के लिए वह अपने पास चाकू रखते थे।

विहारेश्वर मंदिर से लेकर मारकाडेयश्वर महादेव मंदिर तक भक्तों ने जयकारे लगाए

कानपुर ग्रामीण। सजेती जयकारों के बीच भगवान शिव का दूध और गंगा जल से अभिषेक किया, बेलपत्र, धतूरा,शहद, और पुष्प अर्पित कर विधि विधान से पूजा अर्चना की ओर परिवार की सुख सम्रद्धि की कामना की, आपको बताते चलें कि निबिया खेड़ा में स्थित बारीश्वर महादेव और कुष्मांडा देवी मंदिर परिसर में स्थित शिवालय, और सिधौल के मारकाडेयश्वर महादेव, सजेती के विहारेशवर महादेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गई, मंदिर परिसर में हर हर महादेव के जयकारों से गूंजता रहा,मारकाडेयश्वर महादेव मंदिर की मुख्य पुजारी शिव कली सैनी ने बताया कि बहुत दूर दूर से श्रद्धालु आते है और परिवार की सुख सम्रद्धि की कामना करते हैं, और हर हर महादेव के जयकारे लगाते आते-जाते हैं,विहारेश्वर महादेव मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया है मारकाडेयश्वर महादेव मंदिर की आस्था के अनुसार कन्या भोज का आयोजन किया गया है,सजेती के विहारेश्वर महादेव मंदिर कानपुर सागर हाइवे पर स्थित है जहां पर मेले का भी आयोजन किया गया है सजेती पुलिस मंदिर एवं मेले की सुरक्षा व्यवस्था में पूरी निष्ठा के साथ तैनात रही मेले में महिलाओं ने खूब खरीददारी की बच्चों ने मेले का लुत्फ उठाया।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 100 ग्राम हेरोइन सहित आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिल्लौर। जालंधर-ग्रामीण पुलिस की ओर से नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना फिल्लौर पुलिस ने एक व्यक्ति को 100 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई एसएसपी जालंधर-ग्रामीण हरविंदर सिंह विर्क, पीपीएस के दिशा-निर्देशों पर एसपी (जांच) विनीत अहलावत, आईपीएस के नेतृत्व और डीएसपी सब-डिवीजन फिल्लौर भारत मसीह लड्डु, पीपीएस की निगरानी में की गई। डीएसपी भारत मसीह लड्डु ने बताया कि थाना फिल्लौर के एसएचओ इंस्पेक्टर बलविंदर सिंह भुल्लर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए रविंदर कुमार उर्फ दविंदर पुत्र सलिंदर कुमार, निवासी मोहल्ला डॉ. अंबेडकर नगर, गढ़ा रोड, फिल्लौर, जिला जालंधर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 100 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। बरामदगी के आधार पर थाना फिल्लौर में प्राथमिकी संख्या 251, दिनांक 21 अगस्त 2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी)-61-85 के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में आरोपी के कथित रूप से हेरोइन की अवैध बिक्री में शामिल होने की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपी को 22 अगस्त को अदालत में पेश किया, जहां से उसका दो दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से हेरोइन की आपूर्ति के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क और इस अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जांच के दौरान यदि किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। जालंधर-ग्रामीण पुलिस ने कहा कि जिले में नशे की सप्लाई चेन तोड़ने और नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई का अभियान लगातार जारी रहेगा।

पंजाब में नशे का संकट गंभीर, सरकारों को जिम्मेदारी लेनी होगी: वडिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पंजाब। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने नशे को प्रदेश के सामने खड़ी सबसे गंभीर समस्याओं में से एक बताते हुए केंद्र और पंजाब सरकार पर इसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नशे के कारण बड़ी संख्या में परिवार प्रभावित हो रहे हैं और युवा पीढ़ी का भविष्य बर्बाद हो रहा है। अब सरकारों को अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई करनी होगी। 'वॉरियर्स विद बैरियर्स' कार्यक्रम के तीसरे सत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए वडिंग ने कहा कि कांग्रेस नशे के खिलाफ लड़ाई को गांव-गांव तक ले जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से नशे से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचने और उनकी समस्याओं को समझने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता 'कांग्रेस वॉरियर्स' के रूप में इस अभियान को आगे बढ़ाएं।

हर मां की मांग-नशा खत्म हो

वडिंग ने कहा कि उन्हें प्रदेश के विभिन्न गांवों से नशे की स्थिति से संबंधित वीडियो और लोगों की पीड़ादायक कहानियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या अब किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका असर पूरी युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हर मां की एक ही मांग है कि नशा खत्म किया जाए। नशे की वजह से अपने बच्चों को खोने वाले परिवारों का दर्द बेहद गंभीर है। सरकार को इस समस्या की जड़ तक पहुंचकर कार्रवाई करनी चाहिए।

तीन महीने में नशा खत्म करने का वादा कहां गया?

वडिंग ने पंजाब सरकार से सवाल किया कि तीन महीने में नशा खत्म करने के उसके वादे का क्या हुआ। उन्होंने कहा कि केवल आर्थिक सहायता देने से नशे की समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने दावा किया कि कई महिलाओं ने उनसे कहा कि उन्हें पैसे से अधिक अपने बच्चों को नशे से बचाने की जरूरत है।

मीडिया की भूमिका पर भी सवाल

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मीडिया के एक वर्ग पर नशे के मुद्दे पर चुप रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पंजाब में नशे के बढ़ते संकट और इससे होने वाली मौतों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर नशे से होने वाली मौतों के वीडियो साझा करने वाले लोगों पर कथित पुलिस दबाव का भी आरोप लगाया और सरकार से पूछा कि सच्चाई सामने आने से रोकने की कोशिश क्यों की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग

वडिंग ने नशे से होने वाली मौतों के लिए पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की। उन्होंने पूछा कि अब तक कितने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों या पुलिस आयुक्तों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्होंने दावा किया कि 14 से 20 अगस्त के बीच मालवा क्षेत्र के सात जिलों में नशे की अधिक मात्रा लेने से सात लोगों की मौत हुई। उन्होंने संबंधित जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों की जवाबदेही तय किए जाने की मांग की।

गांव-गांव पहुंचेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

वडिंग ने कहा कि पंजाब सरकार अब नशे की समस्या के लिए पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। मुख्यमंत्री भगवंत मान को मौजूदा सरकार की जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाने, प्रभावित परिवारों से मिलने और उन्हें हरसंभव सहयोग देने की अपील की। वडिंग ने कहा कि पंजाब को नशे से मुक्त कराने की लड़ाई जारी रहेगी और कांग्रेस इस मुद्दे पर अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटेगी।

तीज का त्योहार महिलाओं के लिए खुशी, एकता और एकजुटता का संदेश: डॉ. गुरप्रीत कौर मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला- पटियाला में तीज के त्योहार के मौके पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह के दौरान, पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर मान और पंजाब राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन राज लाली गिल का पटियाला ग्रामीण पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया। बड़ी संख्या में महिलाओं और स्थानीय निवासियों ने समारोह में भाग लिया और तीज के त्योहार की रौनक बढ़ा दी। डॉ. गुरप्रीत कौर मान ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि तीज का त्योहार पंजाबी महिलाओं के लिए खुशी, एकता, एकजुटता और प्यार का संदेश लेकर आता है। यह पंजाबी कल्चर और पारंपरिक विरासत का एक अहम हिस्सा है, जो नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार गांवों और शहरों में तीज मेले लगा रही है, ताकि पंजाबी विरासत की परंपराओं को और मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने लोगों से किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने पंजाब सरकार की मुख्यमंत्री सेहत योजना, मोहल्ला क्लीनिक और मां-बेटी सम्मान योजना का जिक्र किया और कहा कि इन योजनाओं को लोगों से भारी रिस्पॉन्स मिल रहा है। डॉ. मान ने सेहत मंत्री डॉ. बलबीर सिंह का खास तौर पर शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि इतनी बड़ी भीड़ को सही तरीके से संभालना एक तारीफ के काबिल काम है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में आने वाली मां-बेटियों की सुविधा और सुरक्षा का खास ध्यान रखा गया है। इस मौके पर बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, 'यह मान सरकार के रंगीन पंजाब की तस्वीर है - पंजाबी विरासत के रंग, बेटियों-बहनों का सम्मान और लोगों की खुशी।' उन्होंने कहा कि पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बचाने और युवा पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने के लिए ऐसे इवेंट ज़रूरी हैं।

इवेंट के दौरान, तीज के पारंपरिक रंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम और महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। इस मौके पर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन हरपाल विर्क, मेयर कुंदन गोगिया, एडवोकेट राहुल सैनी, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर अनुप्रिता जोहल, जसवीर गांधी, सुरेश राय, चरणजीत एस.के., जतिंदर कौर एस.के., देविंदर कौर के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं और इलाके के निवासी मौजूद थे।

अवैध हथियारों की तस्करी का नेटवर्क पकड़ा,10 अत्याधुनिक पिस्तौल सहित दो गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर। काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले एक नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए दो व्यक्तियों को 10 अत्याधुनिक पिस्तौल, मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हथियारों की खेप ले जाने में इस्तेमाल की जा रही एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह पुत्र इकबाल सिंह और गुरप्रीत सिंह पुत्र गुलजार सिंह, दोनों निवासी गांव हवेलियां, जिला तरनतारन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बरामद हथियारों में नौ 9 एमएम पिस्तौल और एक .30 बोर पिस्तौल शामिल है। इसके अलावा हथियारों के साथ मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए। पुलिस टीम ने आरोपियों के कब्जे से ग्रे रंग की बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल, नंबर पीबी-38-सी-1658 भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार इस मोटरसाइकिल का इस्तेमाल हथियारों की खेप को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए किया जा रहा था।

विदेश स्थित हैंडलर के संपर्क में होने का दावा

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी विदेश में बैठे कथित हैंडलरों के संपर्क में थे। पुलिस को आशंका है कि आरोपी सीमा पार से अवैध हथियारों की खेप प्राप्त कर पंजाब में आगे अन्य लोगों तक पहुंचाते थे। पुलिस के अनुसार सीआई अमृतसर की टीम को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपियों ने विदेश स्थित अपने कथित हैंडलर के निर्देश पर भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट गांव हवेलियां क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से हथियारों की खेप प्राप्त की है। इसके बाद वे इस खेप को आगे किसी अन्य व्यक्ति तक पहुंचाने की तैयारी में थे। सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने कार्रवाई करते हुए अमृतसर-अटारी जीटी रोड पर गांव खासा के निकट दोनों आरोपियों को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 10 पिस्तौल, मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस बरामद हुए।

सीमा पार नेटवर्क की जांच जारी

डीजीपी ने बताया कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। जांच का उद्देश्य हथियारों की तस्करी से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान करने के साथ ही सीमा पार से संचालित कथित नेटवर्क के आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाना है। इस संबंध में थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, अमृतसर में शस्त्र अधिनियम की धाराओं 25, 25(1)(ए) और 25(8) तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2) के तहत प्राथमिकी संख्या 51, दिनांक 22 अगस्त 2026 दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले अन्य लोगों के खिलाफ भी कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब पुलिस ने लैंगिक संवेदनशीलता परियोजना का तीसरा चरण पूरा किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिल्लौर। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और पुलिस बल में व्यावसायिकता को मजबूत करने की दिशा में पंजाब पुलिस ने फिल्लौर अकादमी में अपनी लैंगिक संवेदनशीलता परियोजना का तीसरा चरण सफलतापूर्वक पूरा किया। 'पंजाब पुलिस में महिलाओं को मुख्यधारा में लाना' विषय पर आयोजित इस चरण का उद्देश्य पुलिस बल में समावेशी और सहयोगात्मक कार्य वातावरण को बढ़ावा देना रहा। यह परियोजना विशेष पुलिस महानिदेशक, सीएडी एवं महिला मामले, पंजाब के नेतृत्व में आयोजित की गई। अधिकारियों के अनुसार यह पहल पंजाब पुलिस की लैंगिक समानता और महिला कर्मियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। परियोजना के तीसरे चरण के दौरान राज्यभर के 384 पुलिस थानों से करीब 1,500 पुलिस

कर्मचारियों को प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) मॉडल के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। इस मॉडल के जरिए प्रशिक्षण के दौरान हासिल जानकारी और कौशल को अधिक से अधिक पुलिसकर्मियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया गया, ताकि पुलिसिंग में लैंगिक संवेदनशीलता और जवाबदेही को बढ़ावा मिल सके।

महिला पुलिसकर्मियों के नेतृत्व पर जोर

परियोजना के अंतिम सत्र में महिला पुलिस कर्मियों को सशक्त बनाने तथा उन्हें अग्रिम मोर्चे पर नेतृत्व और परिचालन संबंधी जिम्मेदारियों के लिए तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से महिला कर्मियों में आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने का प्रयास किया गया, ताकि पुलिस बल में नेतृत्व के पदों पर महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाया जा सके। पंजाब पुलिस के अनुसार लैंगिक संवेदनशीलता और समावेशी कार्य संस्कृति पर ध्यान देने से पुलिस बल को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी। यह पहल पुलिस विभाग में समान अवसर, व्यावसायिकता और बेहतर कार्य वातावरण के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से ऐसा कार्यस्थल तैयार करने में मदद मिलेगी, जहां प्रत्येक पुलिसकर्मी, लिंग की परवाह किए बिना, अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ सके और समाज की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रभावी योगदान दे सके।

विधायक ने किया मेस्कर घाट के सुंदरीकरण का लोकार्पण

कानपुर। आज दिनांक 24 अगस्त 2026 को पर्यटन विभाग द्वारा कैन्ट स्थित मेस्कर घाट में 1 करोड़ रूपये की लागत से हुये सुन्दरीकरण कार्यों का लोकार्पण विधायक, सलिल विश्नोई के साथ कानपुर महानगर के सांसद रमेश अवस्थी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर कैन्ट बोर्ड के उपाध्यक्ष लखन ओमर, पार्षद प्रस्तावना तिवारी, पार्षद अमित गुप्ता, आर्दश गुप्ता, अभिषेक गुप्ता उर्फ मोनू, संचालक गुरु नारायण गुप्ता, महिला शिक्षा मण्डल की संस्थापक एवं संचालिका सीता दीदी आदि प्रमुख लोग कार्यक्रम में उपस्थित हुये।

'शब्दों की उड़ान, प्रतिभा की पहचान'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर, कानपुर नगर। विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं प्रभावशाली अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डीएवी एनयूपीपीएल पब्लिक विद्यालय द्वारा समय-समय पर विभिन्न साहित्यिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किय जाता है। इसी क्रम में विद्यालय मे एनयूपीपीएल के सतर्कता विभाग के तत्वधान मे कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेज़ी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'झूठ के बिना एक दिन' रहा। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ स्वरचित एवं मौलिक कविताओं का प्रभावशाली पाठ किया। उनकी कविताओं में सत्य, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं नैतिक मूल्यों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया। स्पष्ट उच्चारण, स्वर के उतार-चढ़ाव, प्रवाहपूर्ण अभिव्यक्ति एवं मंचीय आत्मविश्वास ने प्रस्तुतियों को

प्रभावशाली बनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चेल्ला कुमार सी, उप महाप्रबंधक (सतर्कता), एनयूपीपीएल; एवं संतोष यादव, प्रबंधक (मानव संसाधन), तथा सुयश श्रीवास्तव, उप कार्यकारी अभियंता (सतर्कता), गणमान्य अथिति के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की तथा निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में निष्पक्ष मूल्यांकन किया। चेल्ला कुमार सी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष मिश्रा ने विद्यार्थियों के प्रभावशाली काव्य-पाठ एवं रचनात्मक प्रस्तुतीकरण की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को अपनी काव्यात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भाषाई दक्षता, रचनात्मक चिंतन, वक्तृत्व कौशल एवं मंचीय आत्मविश्वास विकसित करने का सार्थक अवसर प्रदान करने वाली रही।